RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14 अंक - 149 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 14 मार्च 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

सेना और देश से माफी मांगें राहुल गांधी, अनुराग ठाकुर ने देश को बदनाम करने का लगाया आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिटेन के कार्यक्रमों में राहुल के बयानों से देश में बवाल मचा हुआ है। भाजपा कांग्रेस और राहुल गांधी पर देश को बदनाम करने का लगा रही है। वहीं कांग्रेस भी सोशल मीडिया और प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से केंद्र सरकार पर पलटवार करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। वहीं केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उनपर दुनियाभर में भारत को बदनाम करने का आरोप लगाया।

देश की सीमा पर तैनात जवानों से माफी मांगनी चाहिए

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर कहा कि कांग्रेस के समय मीडिया को बंद करने का काम हुआ और देश से बाहर जाकर भारत को दुनियाभर में बदनाम करने का काम करते हो। आगे कहा कि राहुल गांधी को देश वापस आकर सदन में सांसदों से, देश से माफी मांगनी चाहिए। वहीं देश की सीमा पर तैनात सेना के जवानों से माफी मांगनी चाहिए साथ ही उनको देश की महिलाओं, मजदूरों से माफी मांगनी चाहिए।

देश का मजदूर देश को सींचता है

आगे अनुराग ठाकुर ने कहा कि देश का मजदूर अपने खून पसीना बहाकर देश को सींचता है और देश को आगे बढ़ाता है, जिसके चरण धोकर पीएम मोदी उनका सम्मान करते हैं। और आप दुनिया के देशों में जाकर भारत का अपमान करने में लगे हैं। उन्होंने कहा कि टेरर-फंडिंग मामलों की जांच करने वाले संगठन अब कांग्रेस के भ्रष्टाचार मॉडल पर केस स्टडी कर रहे हैं।

बेरोजगारी भत्ते को लेकर गाइडलाइन जारी

मिलेंगे 2500 रुपये

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य सरकार ने बेरोजगारी भत्ता को लेकर गाइडलाइन जारी कर दिया है। हर माह 2500 रुपए दिए जाएंगे। यह राशि एक साल तक मिलेगी हालांकि इसे एक साल और भी बढ़ाया जा सकता है। वहीं दो साल पूर्व पंजीकृत ही इस भत्ते के लिए पात्र होंगे। इस बेरोजगारी भत्ता की उम्मीद में कबीरधाम जिले में दो माह के भीतर 4500 से अधिक बेरोजगारों ने पंजीयन कराया है। अब जिले में 33 हजार 587 बेरोजगार पंजीकृत है।

गाइडलाइन जारी होने के बाद शिक्षित बेरोजगार युवक पंजीयन कराने रोजगार कार्यालय पहुंच रहे हैं। रोजगार कार्यालय में प्रतिदिन 150 से 200 के करीब युवा पंजीयन कराने आ रहे है। पूरे जिले में 31 जनवरी की स्थिति में पंजीयन की संख्या 28 हजार 864 थी। फरवरी माह में 31059 व अब 13 मार्च की स्तिथि में 33 हजार 587 पहुंच गई है। वही युवक- युवतियां पंजीयन करवाने उत्सुक नजर आ रही हैं।

शिक्षित बेरोजगारों को बेरोजगारी भत्ता देने की योजना के यह है मापदंड

इस योजना के अंतर्गत बेरोजगारी भत्ता के लिए पात्र शिक्षित युवा को एक वर्ष के लिए बेरोजगारी भत्ता देय होगा। यदि व्यक्ति विशेष को एक वर्ष की उक्त अवधि में लाभकारी नियोजन नहीं हो पाता है तो बेरोजगारी भत्ते की अवधि एक वर्ष के लिए और बढ़ाई जा सकेगी। किसी भी प्रकरण में यह अवधि दो वर्ष से अधिक नहीं होगी।

बेरोजगारी भत्ते की स्वीकृति की प्रक्रिया

बेरोजगारी भत्ते की विस्तृत योजना की प्रति रोजगार विभाग तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा नगरीय प्रशासन विभाग की वेबसाईट पर उपलब्ध रहेगी संबंधित जनपद पंचायतें एवं नगरीय निकाय सभी आवेदकों का पूर्ण रिकार्ड रोजगार विभाग द्वारा निर्धारित प्रपत्र में अपने पास रखेंगे। संबंधित जनपद पंचायत एवं नगरीय निकाय द्वारा आवेदन का परीक्षण कर यह निर्णय लिया जाएगा कि आवेदक बेरोजगारी भत्ते के लिये पात्र है अथवा नहीं। पात्र आवेदकों को बेरोजगारी भत्ते की स्वीकृति संबंधित जनपद पंचायत एवं नगरीय निकाय द्वारा जारी की जाएगी एवं उनकी ऑनलाइन प्रविष्टि संबंधित निकायों द्वारा की जायेगी। जिन आवेदकों को जनपद पंचायतो / नगरीय निकायों द्वारा बेरोजगारी भत्ता स्वीकृत किया गया है उन्हें बेरोजगारी भत्ते की राशि सीधे उनके बैंक खाते में रोजगार विभाग द्वारा प्रतिमाह अंतरित की जाएगी।

यदि बेरोजगारी भत्ता प्राप्त करने वाले को किसी प्रकार का रोजगार प्राप्त हो जाता है तो वह बेरोजगारी भत्ते हेतु अपात्र हो जायेगा एवं उसे तत्काल संबंधित जनपद पंचायत / नगरीय निकाय को सूचित करना होगा और तत्पश्चात् संबंधित जनपद पंचायत / नगरीय निकाय द्वारा उन्हें बेरोजगारी भत्ता बंद करने का आदेश पारित किया जाएगा और बेरोजगारी भत्ते की राशि उन्हें अंतरित करना बंद कर दिया जाएगा।

संबंधित जनपद पंचायत / नगरीय निकाय हर 6 माह में बेरोजगारी भत्ता प्राप्त करने वाले हितग्राहियों की जांच कर यह सुनिश्चित करेंगे कि वे अभी भी बेरोजगारी भत्ता प्राप्त करने के लिये पात्र हैं या अपात्र हो गये हैं। अपात्र हितग्राहियों को नोटिस जारी कर और सुनवाई के पश्चात् अपात्र होने की स्थिति में उनका बेरोजगारी भत्ता बंद करने का आदेश संबंधित जनपद पंचायत / नगरीय निकाय पारित करेंगे तथा उन्हें बेरोजगारी भत्ते की राशि प्रदाय करना बंद कर दिया जाएगा।

जिन लोगों को बेरोजगारी भत्ता स्वीकृत किया जाएगा उन सभी व्यक्तियों को कौशल विकास प्रशिक्षण का ऑफर दिया जाएगा। कौशल विकास प्रशिक्षण के पश्चात् उन्हें रोजगार प्राप्त करने में सहायता की जाएगी और यदि वे कौशल विकास प्रशिक्षण में भाग लेने से इनकार करते हैं या ऑफर किया गया रोजगार स्वीकार नहीं करते हैं तो उनका बेरोजगारी भत्ता बंद कर दिया जाएगा।

बेरोजगारी भत्ते की अपात्रता शर्ते

- एक परिवार से एक ही व्यक्ति को बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा, यदि किसी परिवार के किसी व्यक्ति को बेरोजगारी भत्ता स्वीकृत किया जा चुका है तो दूसरा व्यक्ति अपात्र होगा।
- आवेदक के परिवार के किसी भी सदस्य को केन्द्र अथवा राज्य सरकार की किसी भी संस्था अथवा स्थानीय निकाय में चतुर्थ श्रेणी या ग्रुप-डी को छोड़कर अन्य नौकरी होने पर ऐसा आवेदक बेरोजगारी भत्ते के लिये अपात्र होगा।
- यदि आवेदक को स्वरोजगार या शासकीय अथवा निजी क्षेत्र में किसी नौकरी का ऑफर दिया जाता है, परंतु आवेदक ऑफर स्वीकार नहीं करता है तो ऐसा आवेदक बेरोजगारी भत्ते के लिये अपात्र होगा।
- पूर्व और वर्तमान मंत्रियों, राज्य मंत्रियों और संसद या राज्य विधानसभाओं के पूर्व या वर्तमान सदस्यों, नगर निगमों के पूर्व और वर्तमान महापौर और जिला पंचायतों के पूर्व और वर्तमान अध्यक्ष के परिवार के सदस्य बेरोजगारी भत्ते के लिये अपात्र होंगे।
- पेंशनभोगी जो 10,000 रूपये या उससे अधिक की मासिक पेंशन प्राप्त करते हैं, के परिवार के सदस्य बेरोजगारी भते के लिये अपात्र होंगे।
- ऐसे परिवार जिन्होंने पिछले असेसमेंट ईयर में इनकम टैक्स भरा हो उनके परिवार के सदस्य बेरोजगारी भत्ते के लिये अपात्र होंगे।
- अन्य पेशेवर जैसे इंजीनियर, डॉक्टर, वकील, चार्टड एकाउंटेंट और पेशेवर निकायों के साथ पंजीकृत आर्किटेक्ट के परिवार के सदस्य बेरोजगारी भत्ते के लिये अपात्र होंगे।

आवेदक छत्तीसगढ़ का मूल निवासी हो

- आवेदन किये जाने वाले वित्तीय वर्ष के 01 अप्रैल को आवेदक की आयु 18 से 35 वर्ष के मध्य हो।
- आवेदक मान्यता प्राप्त बोर्ड से न्यूनतम हायर सेकेण्डरी (12वीं उत्तीर्ण) शैक्षणिक योग्यताधारी हो।
- जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र में पंजीकृत हो एवं आवेदन के वर्ष के 01 अप्रैल को हायर सेकेण्डरी अथवा उससे अधिक योग्यता में उसका रोजगार पंजीयन न्यूनतम दो वर्ष पुराना हो।
- आवेदक के आय का कोई स्त्रोत न हो एवं आवेदक के परिवार की समस्त स्रोतों से आय रूपये 2,50,000/- वार्षिक से अधिक न हो। परिवार से तात्पर्य है पति पत्नी एवं आश्रित बच्चे एवं आश्रित माता-पिता।

पैसों के लेन-देन पर लड़कियों के बीच मारपीट, फेंका मिर्च पाउडर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई में सुपेला के लक्ष्मी मार्केट में यहां कुछ लड़कियों के बीच पैसों की लेनदेन को लेकर बीच बाजार में जमकर हंगाम व मारपीट हुई है। मारपीट के दौरान लड़कियों ने एक दूसरे के शरीर व आंखो पर मिर्च पाउडर भी मला है।

मामला दुर्ग जिले के सुपेला थाना क्षेत्र अंतर्गत लक्ष्मी मार्केट का बताया जा रहा है। यहां 13 मार्च की रात करीब 09:00 बजे कुछ लडकियां पैसों की लेनदेन को लेकर आपस में भीड़ गई। युवतियों के बीच जमकर मारपीट हुई। वहां आस-पास मौजूद लोगों ने उन्हें रोकने की कोशिश की लेकिन वे लोग भी नाकाम रहे और लड़कियों ने भी किसी की नही सुनी।

लडकियां अपने साथ मिर्च पाउडर लेकर पहुंची थी। झगड़े के दौरान एक दूसरे के शरीर पर वे उस मिर्च पाउडर को मल रही थी। साथ ही एक दूसरे को भद्दी-भद्दी गालियां भी दे रही थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कुछ लड़कियों को हिरासत में ले लिया है।

नर्सरी में लगी भीषण आग, बड़ी संख्या में जले पेड़ पौधे, लगातार सामने आ रही हैं आगजनी की घटनाएं

कोरबा। तापमान में वृद्धि होने के साथ ही कोरबा शहर में आग लगने की घटनाएं एकाएक बढ़ गई हैं। शहर में रोजाना कहीं न कहीं आग लग रही है। जिससे नुकसान भी हो रहे है। सीविल लाईन थानाक्षेत्र में परिवहन विभाग के सामने वन विभाग की नर्सरी में आग लगने की घटना से अफरा- तरफी की स्थिती निर्मित हो गई। आग की लपटों ने पूरी नर्सरी को घेर लिया और देखते ही देखते नर्सरी में मौजूद पेड़ पौधे जलकर राख हो गए। डायल 112 और दमकल विभाग की सहायता से जैसे- तैसे आग पर काबू पाया गया। कोरबा शहर में आगजनी की घटनाओं को रोकना पुलिस और प्रशासन के लिए चुनौती भरा काम साबित हो रहा है। तापमान में वृद्धि होने के साथ ही जंगल और नर्सरी में आग लगने की घटनाएं लगातार सामने आ रही है। ऐसा ही कुछ सोमवार को भी हुआ जब परिवहन विभाग के कार्यालय के सामने मौजूद वन विभाग की नर्सरी में आग लग गई। आग की छोटी से चिंगारी ने विकराल रुप धारण कर लिया और देखते ही देखते पूरी नर्सरी आग की चपेट में आ गई।

परीक्षाओं का तमाशा बन कर रह गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

बच्चे तो बच्चे, स्कूल-कालेज से लेकर माता-पिता तक वार्षिक परीक्षाओं को लेकर परेशान रहते हैं। पूरा देश मार्च से मई तक 'एक्जाम मोड' में रहता है. परीक्षा की तैयारी कैसे करें, क्या खाएं-क्या न खाएं, कब सोएं, कब जागें का ज्ञान देने के लिए भांति-भांति के मोटिवेशनल स्पीकर्स घूम रहे हैं। बच्चे अच्छी तैयारी कर रहे हैं। बावजूद इसके कोई फेल हो रहा है तो कोई बार्डर लाइन पर टिक रहा है। दिक्कत तब बढ़ जाती है जब मामला दसवीं-बारहवीं बोर्ड का हो। यहां प्रतिशत का मामूली अंतर बच्चों का दिल तोड़ सकता है, उनका भविष्य चौपट कर सकता है। अगर गलती परीक्षक की हो, कापी जांचने वाले की हो, तो स्थिति गंभीर हो जाती है। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल ने अपने 163 शिक्षकों को मूल्यांकन कार्य से अलग कर दिया है। ये शिक्षक 10वीं और 12वीं कक्षा की उत्तर पुस्तिकाएं जांचते थे। 2020 में ली गई वार्षिक परीक्षा के मूल्यांकन में इन शिक्षकों ने हद दर्जे की लापरवाही बरती थी। जब बच्चों ने पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन लगाया तो किसी-किसी परीक्षार्थी के प्राप्तांक 20 से 50 तक बढ़ गए। जाहिर है इन मूल्यांकर्ताओं का शिकार हुए सभी विद्यार्थियों ने पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन नहीं किया होगा। भिन्न-भिन्न कारणों से ऐसे अधिकांश बच्चों ने जो मिला उसे ही स्वीकार कर लिया होगा। दरअसल, परीक्षा का पूरा काम एक ढर्रे पर चल रहा है। 4-6 पेज के प्रश्न पत्र में आधा दर्जन तक गलतियां हो जाती हैं। प्रूफरीडिंग तक नहीं होती। सिलेबस से बाहर के प्रश्न पूछ लिये जाते हैं। गोपनीयता के नाम पर प्रश्नपत्र बोर्ड से थाने और फिर वहां से स्कूल पहुंचते हैं। किसी तरह बच्चे ने प्रश्नों को समझकर उत्तर लिख भी दिया तो उसे नंबर मिलना न मिलना मूल्यांकनकर्ता के मूड और सेहत पर निर्भर करता है। ऊपर से दबाव यह कि रिजल्ट जल्द से जल्द घोषित करना है। विभाग के रिकार्ड बनाने के चक्कर में न जाने कितने मासूमों के सपनों का खून हो जाता है। अब तो लगता है कि प्रश्नपत्र के साथ एक आदर्श उत्तरपुस्तिका भी मूल्यांकनकर्ता को उपलब्ध करा देना चाहिए। अभी अधिकांश मूल्यांकनकर्ता ठीक-ठाक नंबर देने में यकीन करते हैं। कुछ कमजोर बच्चों का साल बर्बाद होने से बचाने की कोशिश करते हैं। वहीं कुछ ऐसे भी होते हैं जो अपनी ओवरस्मार्टनेस दिखाने के चक्कर में खूब नंबर काटते हैं। इससे न केवल शिक्षा के औचित्य और मूल्यांकन की एकरूपता पर सवाल खड़े हो रहे हैं बल्कि 'एक्जाम फीयर' नाम की एक नई बीमारी पैदा हो गई है। परीक्षार्थी मेहनत करके उत्तर तो लिख सकता है पर कापी जंचने के लिए किसी ढंग के मूल्यांकनकर्ता के पास जाए इसके लिए नारियल चढ़ाने के अलावा वह कर भी क्या सकता है। परीक्षा केन्द्र से लेकर मूल्यांकनकर्ता तक सब की नजर सिर्फअपने हिस्से की बोटी पर होती है। देश के कथित भविष्य की फिक्र ही किसे है।

संपादकीय

अपनी-अपनी राजनीति

अवकाश के बाद संसद के बजट सत्र की पुन: शुरुआत हुई है और इसकी कार्यवाही में जिस तरह से व्यवधान दिखा है, वह दुखद और अफसोसजनक है। जहां विपक्ष ने हिंडनबर्ग रिपोर्ट और अडानी समूह मामले की जांच को मुद्दा बना रखा है, तो वहीं सत्तापक्ष ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को निशाने पर ले लिया है। संसद के दोनों सदनों में सोमवार को कामकाज सही ढंग से नहीं हो सका, जबकि आज जिस मोड़ पर संसद है, वहां कामकाज का सुचारू होना बहुत जरूरी है। राज्यसभा में 26 और लोकसभा में नौ विधेयक लंबित हैं। विपक्ष के पास बहुत मुद्दे हैं, लेकिन इस बार ऐसा लगता है कि राहुल गांधी ने इंग्लैंड में भारत और भारतीय लोकतंत्र को लेकर जो बातें कही हैं, उनको सत्ता पक्ष ने ज्यादा गंभीरता से मुद्दा बना लिया है। सत्ताधारी पार्टी की ओर से यह कहा जा रहा है कि राहुल गांधी ने विदेश में देश का अपमान किया है और उन्हें इसके लिए माफी मांगनी चाहिए। नतीजा, संसद में सियासी तनातनी की स्थिति बन गई है, यह जितनी जल्दी दूर हो, उतना ही अच्छा है। इसमें कोई दोमत नहीं, संसद देश के विधायी कार्यों के लिए है, वह सियासत का मंच नहीं है। सियासत के लिए बहुत सारे मौके और मैदान हैं, मगर जब अपनी-अपनी सियासत को संसद में चमकाने में पार्टियां लग जाएंगी, तो चिंता वाजिब है। विधायी कार्यों में सहमत होना संभव है, पर सियासत में तो संघर्ष और बदला है, यहां सहमति शायद ही कभी लंबे समय तक टिकती है। देश में जब चुनाव का मौसम बन गया हो, तब तो किसी भी राजनीतिक दल से संयम की उम्मीद शायद बेकार है। हां, समझदारी की उम्मीद अपनी जगह कायम है। अब विदेश में गलत बोलने वाले नेताओं की सूची निकाली जा रही है, राहुल गांधी कोई पहले नेता नहीं हैं, जो विदेश जाकर देश की किसी कमी की चर्चा कर गए। अनेक नेताओं ने ऐसा पहले भी किया है, हालांकि ऐसा किसी को नहीं करना चाहिए। हम अच्छी तरह जानते हैं कि पश्चिमी देशों का हमारी समस्याओं को बढ़ाने में बहुत योगदान रहा है। हमारे दुख-दर्द को ज्यादातर बार दुनिया में भलमनसाहत से नहीं लिया गया है। संयुक्त राष्ट्र में कश्मीर का मसला हो या आतंकवाद का डंक, यह बात छिपी नहीं है कि पश्चिम में अनेक ताकतें हैं, जो भारत के बंटवारे के बावजूद शांत नहीं हुई हैं। ऐसे देश व नेता हैं, जो अपने समर्थक तानाशाहों के सामने कभी लोकतंत्र की चर्चा नहीं करते, लेकिन भारत के किसी नेता को देखते ही लोकतंत्र से जुड़े सवाल खदबदाने लगते हैं? भारतीय नेताओं से ऐसे सवाल अब जान-बूझकर अगर किए जाते हों, तो कोई आश्चर्य नहीं। वैसे, विदेश में देश के तंत्र की आलोचना गलत नहीं है, यह लोकतांत्रिक अधिकार के तहत आता है, यह देशद्रोह तो कतई नहीं है। एकाधिक बार सर्वोच्च न्यायालय ने भी देशद्रोह कानून पर कड़ा रुख अख्तियार किया है। देश की किसी कमी की चर्चा को रोकने का कोई विधान नहीं है। हां, आज के समय में राहुल गांधी की बात अगर किसी को चुभी है, तो वह माफी की मांग कर सकता है। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी सदन में राहुल गांधी से माफी मांगने के लिए कहा है। सदन में माफी की मांग के साथ नारे भी लगे हैं। अब माफी मांगना या न मांगना अलग से राजनीति का विषय हो सकता है, पर इस बीच सबसे जरूरी है, सदन में कामकाज सही ढंग से हो। संसद के समय और संसाधनों का दुरुपयोग न हो।

> संयुक्त राष्ट्र में कश्मीर का मसला हो या आतंकवाद का डंक, यह बात छिपी नहीं है कि पश्चिम में अनेक ताकतें हैं, जो भारत के बंटवारे के बावजूद शांत नहीं हुई हैं। ऐसे देश व नेता हैं, जो अपने समर्थक तानाशाहों के सामने कभी लोकतंत्र की चर्चा नहीं करते, लेकिन भारत के किसी नेता को देखते ही लोकतंत्र से जुड़े सवाल खदबदाने लगते हैं? भारतीय नेताओं से ऐसे सवाल अब जान-बूझकर अगर किए जाते हों, तो कोई आश्चर्य नहीं।

पूर्वोत्तर का भगवाकरण

पूर्वोत्तर के तीन राज्यों त्रिपुरा, नागालैंड और मेघालय के जनादेश भाजपा की विजयी रणनीति के इच्छा पत्र कहे जा सकते हैं, जबकि कांग्रेस पूरी तरह नाकाम रही है। त्रिपुरा में करीब एक साल पहले जो सत्ता विरोधी लहर महसूस की जा रही थी, भाजपा ने मुख्यमंत्री बदल कर उसे थाम लिया। कांग्रेस को मात्र 3 सीटें ही नसीब हुई। वामदलों के साथ कांग्रेस का गठबंधन त्रिपुरा में भी बुरी तरह पराजित हुआ बंगाल में इन दोनों के हिस्से लगभग गोल अण्डा ही आया था। साफ है कि लोगों को यह नापाक गठबन्धन स्वीकार नहीं है। नागालैंड में कांग्रेस बिल्कुल शून्य रही। मेघालय में 5 सीटों से संतोष करना पड़ा है। तृणमूल ने दलबदल कर नाम धारण किया था। तब 12 विधायक थे, लेकिन अब चुनाव में 5 ही रह गए हैं। लिहाजा तृणमूल भी इन चुनावों में अप्रासंगिक ही रही। दरअसल भाजपा का यह राष्ट्रीय विरोध पूर्वोत्तर में प्रतीकात्मक है, क्योंकि यह 2024 के आम चुनाव के जनादेश को सत्यापित नहीं करता। फिर भी इन चुनावों ने साबित कर दिया है कि पूर्वोत्तर में भी भाजपा सबसे ताकतवर पक्ष है। प्रधानमंत्री मोदी नंबर वन हैं, लेकिन कांग्रेस और राहुल गांधी नंबर दो नहीं हैं। त्रिपुरा में भाजपा की लगातार दूसरी बार सरकार बनेगी, जबकि नागालैंड में भाजपा-एनडीपीपी गठबन्धन को स्पष्ट बहुमत मिला है। मेघालय में त्रिशंकु जनादेश की स्थिति जरूर है, लेकिन सबसे बड़े दल एनपीपी के नेता एवं मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा ने फोन पर केन्दय गृह मंत्री अमित शाह का समर्थन और आशीर्वाद मांगा है, जाहिर है कि वहां की सत्ता में भी भाजपा भागीदार रहेगी। इस तरह पूर्वोत्तर से भगवा का विजयी आगाज हुआ है, लिहाजा एक नए मनोबल और उत्साह के साथ भाजपा का काडर अन्य राज्यों के चुनावों में सक्रिय, होगा। गौरतलब यह है कि मेघालय और नागालैंड ईसाई बहुल राज्य है। वहां 16,000 से अधिक चर्च हैं। एक समुदाय ने चुनाव पहले भाजपा के खिलाफ एक सार्वजनिक पत्र तक लिखा था। ईसाई बुनियादी, वैचारिक और सामाजिक तौर पर भाजपा- समर्थक नहीं माने जाते। आदिवासी भी पहले भाजपा समर्थक नहीं थे। दोनों ही समुदाय कांग्रेस के परम्परागत समर्थक और वोट रहे थे, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने तमाम राजनीतिक समीकरण बदल दिए। उन्होंने अभी तक 52 बार पूर्वोत्तर राज्यों के दौरे किए। शिलॉन्ग में प्रधानमंत्री ने जिस तरह रोड शो किया, वैसा हमने किसी भी प्रधानमंत्री का नहीं देखा। यह जनता से सीधे जुड़ाव का गंभीर प्रयास था। इसके अलावा सड़क, बिजली, पानी से लेकर पक्के घर, रेलवे और हवाई अड्डों तक का विस्तार स्पष्ट देखा जा सकता है। भारत की विविधता और अखण्डता के लिए प्रधानमंत्री ने पूर्वोत्तर और शेष भारत के मानस को बदला, नतीजतन पूर्वोत्तर वाले दिल्ली को इंडिया नहीं समझते और पूर्वोत्तर राज्यों को भी देश की मुख्यधारा में शामिल किया गया। केन्द्रीय मंत्री औसतन 15-20 दिन पर किसी न किसी पूर्वोत्तर राज्य का प्रवास करते हैं। केंद्र में पूर्वोत्तर के विकास का एक विशेष मंत्रालय भी कार्यरत है। अब बजट या अनुदान प्राप्त करने के लिए 30 फीसदी कमीशन नहीं देना पड़ता, लिहाजा पूर्वोत्तर दिल्ली की सत्ता का एटीएम भी नहीं रहा है। त्रिपुरा में राजपरिवार की तिरपा मोठा पार्टी ने पहले ही चुनाव में 13 सीटें त कर भाजपा के हिस्से के आदिवासी वोट छीन लिए हैं, अलबत्ता त्रिपुरा का अन्तिम जनादेश ज्यादा खूबसूरत होता। पूर्वोत्तर के जनादेशों ने कांग्रेस का भ्रम खंडित कर दिया है कि प्रधानमंत्री के नि नफरती विरोध, अडानी और भारत जोड़ो यात्रा आदि के प्रभावों से मोदी और भाजपा को हराया जा सकता है। कमोवेश विपक्ष की भी आंखें खुल गई होंगी कि मोदी को सत्ता से उखाड़ना आसान नहीं है और भाजपा के खिलाफ विपक्ष की साझा लामबंदी भी इतनी असरदार नहीं होगी।

> एक बेहतर दौर आया, जब एक तरफ, मुंबई में राज कपूर, महबूब खान, वी शांताराम, गुरु दत्त जैसे दिग्गज थे, तो बंगाल में सत्यजित रे, ऋत्विक घटक, मृणाल सेन जैसे माहिर निर्देशक। दक्षिण भारत में तेलुगू, तमिल व मलयालम सिनेमा भी फल-फूल रहे थे। के बालचंद्र, एनटी रामाराव, अडूर गोपाल कृष्णन जैसे कई निर्माता-निर्देशक हुए, जो भारतीय सिनेमा को दुनिया के सामने बहुत सम्मान और चाहत के साथ ले गए।

भारतीय सिनेमा का बिगुल नाटू-नाटू

जयंती रंगनाथन

फिल्मों के लिए दिया जाने वाला सबसे पहला और सबसे महत्वपूर्ण पुरस्कार है ऑस्कर। 1929 में पहली बार यह पुरस्कार दिया गया था। 94 साल से ऑस्कर की विरासत चली आ रही है और पूरी दुनिया में इसे सबसे प्रतिष्ठित माना जाता है।

इस वक्त जब हम एसएस राजमौलि की बहुभाषीय (मूल तेलुगू) फिल्म आरआरआर के लोकप्रिय गाने नाटू-नाटू को सर्वश्रेष्ठ मौलिक गीत और द एलिफेंट व्हिस्परर्स को सर्वश्रेष्ठ डॉक्यूमेंट्री का ऑस्कर मिलने की खुशियां मना रहे हैं, मैं जरा पीछे जाना चाहूंगी। आज हमने जो हासिल किया है, उसकी तैयारी बहुत पहले से हो रही थी। मैं उस समय को याद करना चाहती हूं, जब दादा साहब फाल्के ने मुंबई के अमेरिका-इंडिया पिक्चर पैलेस में द लाइफऑफक्राइस्ट फिल्म देखी थी। बात है सन 1910 की। फाल्के पहली बार पिक्चर देख रहे थे और अभिभूत होकर ताली बजा रहे थे। इसके बाद लगातार कई दिनों तक उन्होंने यह फिल्म देखी, अपनी पत्नी को भी दिखलाई। फिर एक दिन निर्णयात्मक स्वर में बोले, 'मैं भी हिंदी में धार्मिक और मिथकीय चरित्र पर फिल्में बनाऊंगा।' उनकी बात पर यकीन किसी को न हुआ, पर अगर उन्होंने उस दिन यह निर्णय नहीं लिया होता, तो शायद आज हम खुशियां नहीं मना रहे होते।

फिल्म बनाने की तकनीक सीखने के लिए फाल्के पानी जहाज से इंग्लैंड गए और वहां तीन महीने रहकर जब मुंबई आए, तो उनके मन में ख्वाब जन्म ले चुका था। उनके लिए इस सपने को पूरा करना कतई आसान नहीं था। लगातार फिल्में देखते रहने से उनकी आंखें जवाब देने लगीं, पर वह रुके नहीं। 1913 में पहली हिंदी फिल्म राजा हरिश्चंद्र बना ही डाली। वह एक शुरुआत थी हिन्दुस्तान में फिल्म निर्माण व फिल्म से आम लोगों के जुड़ने की। मूक फिल्मों के दौर में भी यह बात साफ हो गई थी कि हिन्दुस्तानियों के लिए फिल्म देखना तीन घंटे के मनोरंजन से कहीं अधिक है।

एक बेहतर दौर आया, जब एक तरफ, मुंबई में राज कपूर, महबूब खान, वी शांताराम, गुरु दत्त जैसे दिग्गज थे, तो बंगाल में सत्यजित रे, ऋत्विक घटक, मृणाल सेन जैसे माहिर निर्देशक। दक्षिण भारत में तेलुगू, तमिल व मलयालम सिनेमा भी फल-फूल रहे थे। के बालचंद्र, एनटी रामाराव, अडूर गोपाल कृष्णन जैसे कई निर्माता-निर्देशक हुए, जो भारतीय सिनेमा को दुनिया के सामने बहुत सम्मान और चाहत के साथ ले गए।

हमारी फिल्में तब भी हॉलीवुड की फिल्मों से बहुत अलग होती थीं और आज भी हैं। हम हिन्दुस्तानियों का डीएनए और हमारी समझ भी अलग है। वही फिल्में लोगों तक पहुंचतीं और चल पाती थीं, जिनमें कला, मनोरंजन और संदेश के साथ कोई सपना भी होता था। हमारे सुख-दुख के साथ जुड़ा सिनेमा जीवन के साथ जुड़ गया। राज कपूर जब टखने से ऊपर पैंट और ढीली शर्ट पहनकर आवारा हूं गाते हैं, तो लोग उनके किरदार को आत्मसात कर लेते हैं। मदर इंडिया, दो आंखें बारह हाथ, मुगल-ए-आजम, श्री420 जैसी फिल्मों ने विदेश में भी खूब नाम कमाया। सत्यजित रे की पथेर पांचाली को कान्स में सर्वश्रेष्ठ ह्यूमन डॉक्यूमेंट का पुरस्कार मिला था। यह फिल्म बाफ्ता पुरस्कारों के लिए भी नामांकित की गई थी।

उन्नीस सौ सत्तर के दशक के बाद फिल्मों को नए नायक और अभिप्रायों की जरूरत पड़ी। यह वह वक्त था, जब मुंबई में एंग्री यंग मैन और दक्षिण में नायकन अपनी छाप छोड़ने लगा था। आजादी के पच्चीस साल बाद देश के नौजवान उद्देश्यहीन, कुंठित व बेरोजगारी से बेहाल थे और इन सबको फिल्मों में जैसे आवाज मिल गई। 'हालचाल ठीकठाक है, सब कुछ ठीकठाक है, बीए किया है, एमए किया, लगता है सब कुछ ऐंवे किया, आपकी दुआ से सब ठीकठाक है', इस स्वर के साथ नई पीढ़ी को अपना नायक मिल गया, जो अकेले खलनायक से लड़ने चल पड़ता था।

एक वक्त हमारी फिल्मों के लिए अंडर वर्ल्ड का लगा पैसा, वीडियो पायरेसी, बंद होते सिंगल स्क्रीन चुनौती थे। धीरे-धीरे हमने इन चुनौतियों से पार पा लिया और आज यहां तक पहुंच गए कि हमारी फिल्में कथानक, तकनीक और प्रस्तुति के लिहाज से किसी भी हॉलीवुड फिल्म से कमतर नहीं हैं। हॉलीवुड के पास अगर अवतार है, तो हमारे पास बाहुबली है। उनके पास एक्शन थ्रिलर मिशन इंपॉसिबल और टॉपगन हैं, तो हमारे पास स्पाई सीरीज टाइगर और पठान हैं। हमारी फिल्में विदेश में भी अब अरबों का व्यवसाय कर रही हैं और यही वजह है कि हॉलीवुड के महान कलाकार और निर्देशक अब हिन्दुस्तानी फिल्मों का हिस्सा बनने को आतुर हैं।

सही मायने में पैन इंडिया की बात तो अब जाकर हुई है। तेलुगु और तमिल में बनने वाली फिल्में हिंदी में डब होकर उसी दिन रिलीज होती हैं और सफलता भी पाती हैं। इसलिए जब एसएस राजमौलि अपनी फिल्म आरआरआर के साथ ऑस्कर के लिए जाते हैं, तो समूचा हिन्दुस्तान इस फिल्म से इत्तफाक रखता है।

एक बात और। ऑस्कर में नामांकित होना और अवॉर्ड पाना कतई आसान नहीं है। सालों से हमारे फिल्मकार अपनी फिल्में वहां ले जाते रहे हैं और अपनी पहचान बनाने की कोशिश करते रहे हैं। मदर इंडिया, लगान और सलाम बॉम्बे जैसी फिल्में ऑस्कर में नामांकित होकर अंतिम दौर तक पहुंची थीं। हर साल हमारे यहां से ऑस्कर के लिए फिल्म नामांकित होती है। इसके बाद यह निर्माता और उनकी टीम का दायित्व होता है कि वहां जाकर अपनी फिल्म की मार्केटिंग करें और चयन समिति के सदस्यों को अपनी फिल्म दिखाएं। राजमौलि और उनकी टीम ने यह काम बखूबी किया है। नाटू-नाटू गाना बेशक संगीतकार एमएम कीरवानी की सर्वश्रेष्ठ धुन नहीं है, पर यह गाना हम हिन्दुस्तानियों का सही तरह से प्रतिनिधित्व करता है। आजादी की लड़ाई में जूझ रहे नायकों को जब नाचने की चुनौती मिलती है, तो वे ऐसा समा बांध देते हैं कि अंग्रेज स्त्री-पुरुष भी थिरकने से खुद रोक नहीं पाते हैं। इस गीत की सुंदरता इसके शब्दों या धुन में नहीं, बल्कि उस रौनक में है, जो अब हम सबके भीतर है।

वैसे नाटू-नाटू को गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड मिलने के बाद से ही ऑस्कर का दावेदार माना जा रहा था, पर जो अवॉर्ड भारतीय डॉक्यूमेंट्री शॉर्ट फिल्म द एलिफेंट व्हिस्परर्स को मिला है, वह भी लगभग तय माना जा रहा था। दक्षिण भारत के एक गांव के दंपती और उनके गोद लिए हाथी के बच्चे रघु पर बनी बेहद खूबसूरत और दिल को छूने वाली मानवीय फिल्म है। ये दोनों उपलब्धियां हम हिन्दुस्तानियों को विश्व-पटल पर कहीं ऊंचा स्थापित करती हैं।

तमिलनाडु में किसी मजदूर पर कभी नहीं था खतरा

एस. श्रीनिवासन, वरिष्ठ पत्रकार

करीब एक हफ्ते पहले सोशल मीडिया पर ऐसा माहौल बनाया गया कि तमिलनाडु में हिंदीभाषी राज्यों के मजदूरों पर हमले किए जा रहे हैं। कुछ मीडिया पोस्ट में तो इन हमलों में लोगों के मरने की झूठी खबर भी थी। मगर तमिलनाडु पुलिस द्वारा समय पर सक्रियता दिखाने और तीन राज्य सरकारों- तमिलनाडु, बिहार व झारखंड की संयुक्त कार्रवाई से यह आग और फैलने से पहले ही शांत कर दी गई। अतीत में भी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिये फर्जी खबरें प्रसारित की गई हैं, डर का माहौल बनाया गया है और सांप्रदायिक व जातिगत मतभेद का फायदा उठाया गया है, लेकिन यह पहली बार था कि झूठ फैलाने के लिए क्षेत्रीय रूढ़ियों और भाषा का सहारा लिया गया। भारत विविधता को समेटे एक ऐसा देश है, जहां 22 मान्यता प्राप्त सहित 144 से अधिक भाषाएं और हजारों बोलियां बोली जाती हैं। यहां विभिन्न क्षेत्रों में लोगों की चमड़ी का रंग, शरीर की संरचना, चेहरे की बनावट आदि अलग-अलग हैं। खान-पान और संस्कृति में भी अंतर है। इन विविधताओं को स्वीकार करते हुए यहां लोगों ने शांति से रहना सीख लिया है, फिर भी महज एक अफवाह देश की एक बड़ी आबादी में हलचल पैदा कर देती है।

बहरहाल, तमिलनाडु के हिंदी विरोधी आंदोलन को प्रवासी मुद्दों से जोड़ने का प्रयास दुर्भाग्यपूर्ण है। यह सच है कि तमिल आबादी पर हिंदी थोपने का तमिलनाडु विरोध करता रहा है, लेकिन उसने हिंदीभाषी लोगों पर कभी हमला नहीं किया। सच्चाई तो यह है कि कई तमिल हिंदी सीख रहे हैं और चेन्नई में दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा के समर्थकों की संख्या कम नहीं है। यहां तक कि राज्य में जब हिंदी-विरोधी आंदोलन अपने चरम पर था, तब भी तमिल समर्थकों ने खुद को आग लगाई थी, किसी बाहरी को नुकसान नहीं पहुंचाया था। दरअसल, यहां वेतन असमानता को लेकर प्रवासी मजदूरों और

स्थानीय श्रमिकों के बीच मतभेद है। जहां बाहरी श्रमिक 750 रुपये प्रतिदिन की दिहाड़ी पर भी राजी हो जाते हैं, तो वहीं स्थानीय मजदूर 1,200 रुपये से कम में काम करने को तैयार नहीं हैं। इस कारण स्थानीय उद्यमी उत्तर भारत के मजदूरों को ज्यादा पसंद करते हैं।

केंद्र सरकार की नौकरियों में उत्तर भारत के गैर-तमिलभाषी कर्मियों की भर्ती से भी तमिलनाडु के स्थानीय लोगों में गुस्सा है। इनमें से कुछ नौकरियों में उपभोक्ताओं से सीधा वास्ता पड़ता है, जिसके कारण विवाद बढ़ने की गुंजाइश होती है। जैसे, किसी हिंदीभाषी बैंक क्लर्क को जब तमिलनाडु के किसी ग्रामीण की जरूरत को समझने में कठिनाई होती है, तो समस्या का अंत कमोबेश तू-तू, मैं-मैं के साथ होता है। जाहिर है, प्रवासी मजदूरों के लिए स्थिति अनुकूल नहीं है। निस्संदेह, राज्य सरकार को इन मसलों का हल निकालना चाहिए, लेकिन पूरा देश इससे बार-बार जूझता रहा है। इसे उत्तर बनाम दक्षिण का रूप देने से बचना चाहिए।

प्रवासन आज की एक आर्थिक सच्चाई है। भारतीयों ने बेहतर शिक्षा व नौकरी की तलाश में विदेश तक की दौड़ लगाई है। दक्षिण भारत के लोग ही 1960 के दशक की शुरुआत में केंद्र सरकार की नौकरी पाने के लिए उत्तर गए थे। और अब, उत्तर के प्रवासी श्रमिक बेहतर अवसरों की तलाश में दक्षिण आ रहे हैं, क्योंकि यहां के राज्य ज्यादा विकसित हैं। फिर, स्थानीय आबादी तुलनात्मक रूप से अधिक शिक्षित होने के कारण कुशल काम करना पसंद करती है, जिसके कारण अकुशल कामों के लिए मजदूरों की जरूरत बाहरी लोग पूरा करते हैं। इनका स्वागत किया जाना चाहिए और उन्हें तमाम सुविधाएं दी जानी चाहिए।

तमिलनाडु सरकार दूसरे राज्यों के मजदूरों का निबंधन करने जा रही है, और उनके बच्चों की शिक्षा के लिए सुविधाएं बढ़ाने की कोशिशों में है। हालांकि, स्थानीय कर्मियों की भावनाओं को तुष्ट करना भी उसका कर्तव्य है। मुमकिन है, हरियाणा व कर्नाटक की तरह तमिलनाडु भी स्थानीय कामगारों के लिए आरक्षण का प्रावधान करे, लेकिन इससे शायद ही बात बनेगी, क्योंकि अंतत: बाजार के हाथ में ही कमान रहेगी, और झूठ के जरिये हलचल पैदा करने की जितनी कोशिश की जाए, वह बहुत दूर तक नहीं जा सकता।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

ठोस नीति से ही संभव स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्य

सुबीर रॉय

विभिन्न वैश्विक ऊर्जा सम्मेलनों में भारत ने वर्ष 2070 तक विशुद्ध रूप से स्वच्छ अथवा हरित ऊर्जा राष्ट्र में तब्दील हो जाने का ध्येय रखा है ताकि बढ़ते जा रहे वैश्विक तापमान-जनित मौसमी बदलावों को नाथने में बाकी देशों की तरह योगदान हो पाए। तो इस राह में देश कहां तक पहुंचा है? और यदि कुछ हुआ है तो कितना बढ़िया कर दिखाया है?

अव्वल तो बढ़ता वैश्विक तापमान कोई ख्याली घोड़ा नहीं है, जिसका हौवा किन्हीं गैर-सरकारी संगठनों ने खड़ा किया हो और जिसको भारत इसलिए नजरअंदाज कर दे कि उच्च आर्थिक वृद्धि दर और तेजी से बढ़ती प्रति व्यक्ति ऊर्जा खपत के साथ अग्रणी वैश्विक अर्थव्यवस्था बनने की दौड़ तेजी से जीती जा सकेगी। ऐसा करने पर भारत को उस जगह चोट लगेगी जहां सबसे अधिक पीड़ा होती है। नेचर क्लाइमेट चेंज नामक पत्रिका के एक हालिया अध्ययन के मुताबिक यदि विश्व में उच्च स्तर का वैसा ग्रीन उत्सर्जन होता रहा जैसा कि अब हो रहा है तो एशियाई क्षेत्र में बैंकॉक, हो-चि मिन्ह और मनीला के अलावा चेन्नई और कोलकाता ऐसे शहर हैं जिनपर अगली सदी की शुरुआत से पहले बहुत अधिक खतरा बन जाएगा।

उच्च खतरा श्रेणी में आने वालों में, पश्चिमी उष्ण प्रशांत महासागरीय द्वीप और हिंद महासागर का पश्चिमी इलाका भी है। यह निष्कर्ष समुद्र की जल-सतह में उत्तरोतर अंतर को अल नीनो कारक से जोड़कर, इसके प्रभाव से बदलते जा रहे मौसम से निकाला गया है। इसलिए, मौसमी बदलाव वह तत्व हैं, जिन्हें यदि भारत नज़रअंदाज़ करेगा तो आगे बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी।

स्वच्छ ऊर्जा बनाना भारत की मुख्यधारा ऊर्जा नीति का अंग नहीं रहा। सबसे ज्यादा ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन करने वाले मुल्कों में भारत विश्व में तीसरे स्थान पर है, लेकिन जिस तरह पिछले साल कोयला खदानों की सबसे बड़ी नीलामी की गई है, उससे लगता है इस पायदान को लेकर वह खास चिंतित नहीं है। कोई हैरानी नहीं कि भारत के कुल बिजली उत्पादन में 70 फीसदी हिस्सा जीवाश्म ईंधन से पैदा होता है। फिलहाल सतत ऊर्जा का योगदान 10 प्रतिशत ही है और आने वाले सालों में ऊर्जा मांग में बढ़ोतरी एक दशक तक प्रति वर्ष 6 फीसदी की दर से होने की आस है।

इसलिए यदि भारत को बाजार में अपना हिस्सा बनाए रखना है तो अपनी स्वच्छ ऊर्जा क्षमता में भी तेजी से वृद्धि सुनिश्चित करनी पड़ेगी। इसके लिए ऊर्जा नीति में ऐसा क्या हो ताकि समय के साथ तेजी से बढ़ती सकल ऊर्जा मांग के समानांतर स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन की तीव्र गति पक्की हो सके। प्रथम, एक ऐसी व्यावहारिक नीति बनाने की जरूरत है जिससे सोलर और पवन ऊर्जा परियोजनाओं के लिए जमीन का अधिग्रहण हो सके। आमतौर पर स्थानीय लोग ऐसे अधिग्रहणों का विरोध न केवल अपनी आय को लेकर बल्कि भावनात्मक लगाव की वजह से भी करते हैं। इस नीति में कंगाल हुए पड़े राज्य बिजली बोर्डों की समस्या का भी निदान हो। अब जबकि हालात यह हैं कि उनके पास बिजली उत्पादक कंपनियों का बकाया तक चुकाने का पैसा नहीं है तो ऐसे में वे स्वच्छ ऊर्जा जैसे वैकल्पिक स्रोतों के विकास में निवेश कैसे कर सकेंगे, यह सवाल ही पैदा नहीं होता।

गनीमत है कि कुछ नीति उत्प्रेरक पहले से मौजूद हैं, मसलन, ऊर्जा संचय कानून और बिजली उत्पादक कंपनियों को स्वच्छ ऊर्जा का इस्तेमाल अधिक करने के दिशा-निर्देश। लेकिन यह करना दरअसल अंतिम परिणामों का हुक्म आरंभ में करने जैसा है। नीति ऐसी होनी चाहिए जिससे न केवल सतत एवं स्वच्छ ऊर्जा क्षमता बनाने की गति बढ़े बल्कि इसका भंडारण और संलग्न आधारभूत ढांचा भी विकसित हो। सरल शब्दों में, केवल पवन ऊर्जा या सौर ऊर्जा बिजली उत्पादन इकाइयां बनाना काफी नहीं है। इनके साथ बड़ी क्षमता की ऊर्जा भंडारण सुविधाएं बनाना भी उतना ही आवश्यक है। यह इसलिए कि पर्याप्त वायु गति और सूर्य प्रकाश सदा नहीं होता। इसलिए फालतू ऊर्जा को विशालकाय बैटरी-बैंकों में संचय करना पड़ता है ताकि जरूरत पड़ने पर, ग्रिड का स्थायित्व बनाए रखने में उस वक्त बिजली छोड़ी जाये जब उत्पादन न हो रहा हो। इससे सतत ऊर्जा की प्रति इकाई उत्पादन दर बढ़ जाती है और कुल निवेश की लागत भी। इसके अलावा, ऐसी बृहद नीति हो जो न सिर्फ घरों, दफ्तरों, शॉपिंग माल्स और ऐसे अन्य भवनों की छतों पर सोलर ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा दे बल्कि इसे अनिवार्य बनाए। यह होने पर, संस्थापित ऊर्जा क्षमता में इजाफा होगा। एक धूप भरे दिन में, किसी छत पर लगा सोलर ऊर्जा पैनल उस भवन में खपत होने वाली बिजली से अधिक उत्पादन करेगा, फालतू बिजली को ग्रिड में भेजा जा सकता है और रात को उसी ग्रिड से बिजली प्राप्ति होगी। उपभोक्ता को केवल खरीदी हुई बिजली का भुगतान करना पड़ेगा जिसकी गणना स्मार्ट मीटरों से होगी, जो इस आवाजाही का हिसाब रखने में सक्षम होंगे।

इस व्यवस्था से उपभोक्ता को बड़ा लाभ यह होगा कि बिल में ईंधन मूल्य मद न जुड़ने से बिल की कुल रकम बहुत कम रह जाएगी। लेकिन यह तभी संभव है जब सारी व्यवस्था भली तरह निर्मित कर दी जाए। पहले-पहल, उपभोक्ता को आवश्यक निवेश करना होगा। इसको कारगर बनाने में, नीति में दो चीजें करनी होंगी-छत पर सोलर पैनल लगाना अनिवार्य करना और निवेश पर आरंभिक सब्सिडी देना। हालांकि बड़ी सोलर ऊर्जा क्षमता बनाने लिए बड़े सोलर पैनलों की जरूरत पड़ती है, जिनपर आया खर्च कुल लागत का बहुत बड़ा हिस्सा होता है। भारत अपनी जरूरत के अधिकांश सोलर पैनल खुद न बनाकर पूरे-के-पूरे या पुर्जों के रूप में आयातित करता है, जो अबतक ज्यादातर चीन से आते हैं।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

अंगना म शिक्षा कार्यक्रम को मिला वर्ष 2022 का स्कॉच अवार्ड

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा विभाग को एक बार पुन: अपने उत्कृष्ट कार्यों के लिए राष्ट्रीय स्तर का पुरस्कार लेने का अवसर प्राप्त हुआ है। कड़ी प्रतियोगिता के बाद राज्य में समग्र शिक्षा द्वारा संचालित अंगना म शिक्षा कार्यक्रम के तहत वर्ष 2022 में किए गए कार्य के लिए स्कॉच अवार्ड 2022 प्राप्त हुआ है। यह पूरा कार्यक्रम छत्तीसगढ़ की महिला शिक्षिकाओं के समूह द्वारा संचालित की जा रही है। इस वर्ष इस कार्यक्रम का तीसरा वर्ष होगा और प्रतिवर्ष इसमें महिला नेतृत्व द्वारा कुछ नया डिजाइन शामिल किया जाता है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल और स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने इस अवार्ड के लिए विभाग एवं राज्य की शिक्षिकाओं को बधाई दी है।

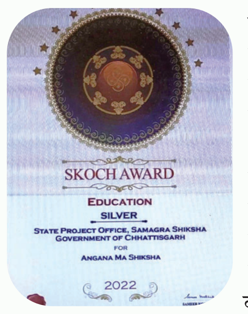

उल्लेखनीय है कि स्कॉच अवार्ड एक स्वतंत्र संगठन द्वारा प्रदत्त देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है, जो लोगों, परियोजनाओं और संस्थानों की पहचान करता है जो भारत को एक बेहतर राष्ट्र बनाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करते है। इस अवार्ड को वर्ष 2003 में स्थापित किया गया था। यह अवार्ड डिजिटल, वित्तीय और सामाजिक समावेश के क्षेत्र में सर्वोत्तम प्रयासों के लिए प्रदाय किया जाता है। कोरोना के समय जब स्कूल शिक्षा विभाग का पूरा अमला बच्चों की पढ़ाई को जारी रखने के लिए निरंतर प्रयासरत था और शिक्षकों को इस कार्य के लिए प्रोत्साहित करते हुए नए-नए तरीकों से बच्चों की पढाई को जारी रखने की कोशिश सतत् की जा रही थी। उसी समय राज्य के कुछ महिला शिक्षिकाओं ने इस राज्यव्यापी कार्यक्रम पढ़ई तुंहर दुआर में अपने योगदान का प्रस्ताव रखा। उन्होंने माताओं को प्रशिक्षित कर उनके माध्यम से घर पर रहते हुए ही बच्चों को सिखाने के प्रयास को अंगना म शिक्षा के रूप में प्रारंभ किया। 'अंगना म शिक्षा' कार्यक्रम के माध्यम से माताओं में अपने बच्चों की पढ़ाई के प्रति अलख जगाने में सफलता पाई। माताओं एवं छोटे बच्चों को गाँव-गाँव में मेलों का आयोजन कर, मेले में माताओं एवं बच्चों को आमंत्रित कर घर में उपलब्ध सामग्री जैसे बर्तन, सब्जी, फल, कपड़े आदि का उपयोग कर सिखाया जाए, इस पर कार्य किया गया। ग्राम स्तर पर बेहतर कार्य कर रही माताओं को स्मार्ट माता के रूप में चयन कर सम्मानित किया गया। स्मार्ट माता अन्य माताओं को भी इस कार्यक्रम में जोड़े रखने एवं सीखने में सहयोग के साथ-साथ समय-समय पर बालवाड़ी एवं प्राथमिक शालाओं में जाकर बच्चों की शिक्षा में सहयोग एवं शिक्षकों से अपने बच्चों के सीखने के कार्य संबंधी जानकारी लेने का कार्य भी करती थीं। इस कार्यक्रम के माध्यम से माताओं में बच्चों को घर पर पढ़ाने की संस्कृति विकसित करने में सफलता मिली है। बच्चों ने जो कुछ सीखा, उसे रिपोर्ट कार्ड के बदले एक सपोर्ट कार्ड डिजाइन कर माताओं के हस्ताक्षर से माताओं द्वारा अपने बच्चों के शिक्षकों को देना सुनिश्चित किया गया। माताओं को बहुत आसान तरीकों से सरल चिन्हों का उपयोग कर बच्चों की विभिन्न दक्षताओं में स्थिति को दर्शाने का प्रयास किया गया। शिक्षिकाओं के समूहों द्वारा संकुल, विकासखंड, जिले एवं राज्य स्तर पर कोर ग्रुप के माध्यम से पूरे कार्यक्रम की मानिटरिंग की व्यवस्था की गयी।

खास खबर

विभिन्न ग्राम पंचायतों में किया गया समाधान तुंहर दुआर शिविर का आयोजन

बालोद। जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों में आयोजित समाधान तुंहर दुआर शिविर ग्रामीणों के लिए सौगातों भरा रहा। शिविर में उपस्थित विभिन्न विभागों के अधिकारियों के द्वारा ग्रामीणों द्वारा प्रस्तुत किए गए आवेदन पत्रों का परीक्षण कर मौके पर अनेक समस्याओं का निराकरण किया गया, जिससे ग्रामीणों में काफी हर्ष देखा गया। इसके अंतर्गत बालोद विकासखण्ड के ग्राम पंचायत अंगारी, जामगांव बी, कन्नेवाड़ा, अर्जुंदा तहसील के ग्राम पंचायत चैरेल, तिलखैरी, गुण्डरदेही विकासखण्ड के ग्राम पंचायत गोरकापार, जरवाय, चिचबोड़, डौण्डी विकासखण्ड के ग्राम पंचायत आमाडुला, मथेना, ढोर्रीठेमा, गुरूर विकासखण्ड के ग्राम पंचायत उसरवारा, कनेरी, कुलिया तथा मार्री बंगला तहसील के अछोली, परसाडीह, गारका में आयोजित शिविर में अपने मांगों एवं समस्याओं को लेकर बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे थे। इस दौरान संबंधित विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा प्राप्त आवेदनों का परीक्षण कर पात्रतानुसार मौके पर ही हितग्राहियों का नया राशन कार्ड बनाने के साथ ही राशन कार्ड में नाम जोड़ा गया। इसके अलावा बी-1 नकल, बीज मिनीकिट, किसान पुस्तिका आदि का वितरण किया गया।

संवेदनशील क्षेत्र के बच्चों ने किया जगदलपुर के विभिन्न संस्थाओं का भ्रमण

सुकमा। बच्चों में बौद्धिक, मानसिक विकास तथा विज्ञान के प्रति रूचि विकसित करने तथा शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाने के लिए पुस्तकीय ज्ञान के साथ ही विभिन्न व्यवसाय से जुड़े संस्थाओं का भ्रमण भी आवश्यक है। साथ ही बच्चे इन संस्थाओं में संचालित कार्यों, उत्पादित सामानों, बडे शहरों के वातावरण से वाफिक्र होने के साथ ही पढ़ाई में भी रूचि उत्पन्न करते हैं। यह भ्रमण कार्य स्कूलों में अध्ययनरत उन बच्चों के लिए जरूरी है जिन्होंने बड़े शहरों के वातावरण और संस्थाओं के कार्यों से वाफिक्र नहीं है। कलेक्टर हरिस एस. के मार्गदर्शन और जिला शिक्षा अधिकारी नितिन डडसेना, जिला मिशन समन्वयक के नेतृत्व में 11 मार्च को संवेदनशील क्षेत्र के 200 बच्चों को राष्ट्रीय आविष्कार योजना अन्तर्गत जगदलपुर शहर का भ्रमण कराया गया। जिसमें बच्चों के साथ ही 12 शिक्षकों ने भी भाग लिया। राष्ट्रीय आविष्कार योजना अन्तर्गत माध्यमिक शाला एलिमेंट्री स्तर के बच्चों को शैक्षणिक भ्रमण के लिए 11 मार्च को संभागीय मुख्यालय जगदलपुर, कृषि महाविद्यालय, जगदलपुर शहर, मानव संग्रालय, नगरनार स्टील प्लांट, लामनी पार्क, दंतेश्वरी मंदिर, दलपत सागर, मेडिकल कॉलेज, शहीद स्मारक सहित अन्य स्थलों का भ्रमण कराया गया।

सीडैक के सहयोग से पुलिस अधिकारियों की साईबर अपराध पर 11 दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ

अपराधों से निपटने के लिए साइबर कौशल अनिवार्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा की अध्यक्षता में सीसीपीडब्ल्यूसी योजनान्तर्गत साइबर अपराध अनुसंधान विषय पर सेंटर फॉर डेव्हलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कम्प्यूटिंग (सीडैक) एवं छत्तीसगढ़ पुलिस के संयुक्त तत्वाधान में 11 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में राज्य के तीन पुलिस रेंज क्रमश: रायपुर, दुर्ग एवं बस्तर के 25 पुलिस अधिकारी शामिल हो रहे हैं।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर पुलिस महानिदेशक श्री अशोक जुनेजा ने कहा कि पुलिस अधिकारियों को साईबर अपराध से संबंधित एनसीआरबी के डाटा का विश्लेषण कर यह पता लगाया जाना चाहिए कि देश एवं प्रदेश में साईबर अपराध का क्या ट्रेंड है। उन्होंने छत्तीसगढ़ के परिदृश्य में बताया कि साईबर अपराध के प्रकारों में आरोपियों द्वारा फिशिंग कर लोगों की व्यक्तिगत जानकारी लेकर, पेन कार्ड, क्रेडिट कार्ड के जरिए ठगी के अपराध देखने को मिले हैं। इसके अलावा सोशल मीडिया पर फर्जी आईडी बनाकर पर्सनल एटैक, ऑनलाईन हरासमैंट जैसे अपराध भी राज्य में प्रकाश में आये हैं। सीडैक संस्था ने देश के महानगरों में इस क्षेत्र में काफी कार्य किया है। अत: ऐसे प्रकरणों की केस स्टडी का अवलोकन करने से राज्य में घटित होने वाले अपराधों की विवेचना में काफी मदद मिल सकती है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक तकनीकी सेवाएं श्री प्रदीप गुप्ता ने कहा कि साईबर अपराध जिस गति से बढ़ी है, उस पर नियंत्रण लाया जाना पुलिस के लिए एक चुनौती है। यह अपराध आने वाले समय में और अधिक जटिल होने वाली है। ऐसी स्थिति में पुलिस अधिकारियों का स्किल लेवल बढ़ाया जाना आवश्यक है। वर्तमान समय में साइबर एक अनिवार्य कौशल है, जिसका सभी पुलिस अधिकारियों को ज्ञान होना चाहिए। हम एक कदम आगे रहेंगे तभी इस अपराध से निपटा जा सकता है।

सीडैक के प्रशिक्षण का माड्यूल साईबर अपराध के समाधान की सभी आवश्यकताओं को पूरा करती है। सीडैक के एसोसिएट डायरेक्टर श्री अभिनव दीक्षित ने बताया कि सी-डैक मिनिस्टरी ऑफ इलेक्ट्रानिक एंड इन्फरमेशन टेक्नालॉजी का प्रमुख अनुसंधान एवं विकास संगठन है, जो स्वयं के प्रशिक्षण केंद्रों एवं अन्य अधिकृत प्रशिक्षण केंद्र के माध्यम से देश में आई टी इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में उल्लेखनीय सेवाओं के साथ-साथ साइबर अनुसंधान के क्षेत्र में प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन कर रहा है। एकीकृत तथा सहयोगपूर्ण ढंग से समयोचित तथा आगामी प्रभाव के लिए शक्तिशाली प्रभावकारिता के साथ अनुसंधान के चुनौतीपूर्ण दूरगामी लक्ष्यों की प्राप्ति के प्रति सक्रिय पहल करना जैसे बहुआयामी, दूरदर्शी उद्देश्य स्थापित कर देश को विशिष्ट सेवाएं दे रहें है। कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक हिमांशु गुप्ता, विवेकानंद, एस.आर.पी. कल्लूरी, पुलिस महानिरीक्षक ओमप्रकाश पाल, एस.सी. द्विवेदी, आर.पी. साय, डॉ. संजीव शुक्ला, उप पुलिस महानिरीक्षक आरिफ शेख, आर.एन. दाश, के.एल. ध्रुव, मनीष शर्मा सहित पुलिस मुख्यालय के अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, तकनीकी सेवाएं कवि गुप्ता ने किया।

कांग्रेस के होली मिलन समारोह में फाग की धुन पर झूमे कार्यकर्ता

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। जिला मुख्यालय स्थित कांग्रेस भवन में आयोजित होली मिलन समारोह कांग्रेस पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। फाग गीतों की धुन पर कार्यकर्ता झूमते रहे। वहीं संसदीय सचिव व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को रंग गुलाल लगाकर उत्साह के साथ काम करने पर जोर दिया गया।

रविवार को संसदीय सचिव व विधायक चंद्राकर द्वारा कांग्रेस भवन में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्र से पहुंचे पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने रंग गुलाल लगाकर एक-दूसरे को होली की बधाई दी। अपने संबोधन में संसदीय सचिव चंद्राकर ने कहा कि होली पर्व भाईचारा का पर्व होता है। इस तरह के कार्यक्रम के आयोजन से एक-दूसरे को जानने व अपने विचारों को आदान-प्रदान करने का अवसर मिलता है। संसदीय सचिव चंद्राकर ने पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को उत्साह के साथ काम करने जोर दिया।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री अमरजीत चावला, जनपद अध्यक्ष यतेंद्र साहू, पर्यटन मंडल के सदस्य अंकित बागबाहरा, जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष डॉ रश्मि चंद्राकर, सेवनलाल चंद्राकर, दाउलाल चंद्राकर, जिला महामंत्री संजय शर्मा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष लक्ष्मण पटेल, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष ढेलू निषाद, अरूण चंद्राकर, जसबीर ढिल्लो, अमन चंद्राकर, विजय साव, हार्दिक सोना, गिरजाशंकर चंद्राकर, प्रदीप चंद्राकर, कपिल साहू, किशन देवांगन, मृत्युंजय बोस, जावेद चौहान, आवेज खान, मनीष साहू, हितेश साहू, तोषण कन्नौजे, सचिन गायकवाड़, लीलू साहू, मोती साहू, प्रहलाद ध्रुव, वैजेंती ध्रुव सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी-कार्यकर्ता मौजूद थे।

जनपद पंचायतों में प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। कैपिटल प्रोटेक्शन फोर्स माधापुर हैदराबाद द्वारा सिक्यूरिटी गार्ड व सिक्योरिटी सुपरवाईजर पद के भर्ती के लिए 14 मार्च 2023 को जनपद पंचायत राजनांदगांव, 16 मार्च 2023 को जनपद पंचायत डोंगरगढ़, 18 मार्च 2023 को जनपद पंचायत छुरिया एवं 20 मार्च 2023 को जनपद पंचायत डोंगरगांव में प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जाएगा।

इसी तरह सुमीत सायफेब इंडिया प्राईवेट लिमिटेड डोंगरगढ़ द्वारा हेल्पर, सेल्स एक्सिक्यूटिव, कम्प्यूटर ऑपरेटर के पद के भर्ती के लिए 16 मार्च 2023 को जनपद पंचायत डोंगरगढ़ में प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जाएगा। सभी पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता 8वीं से 12वीं तथा आयु 18 से 35 वर्ष चाही गई है। भर्ती के लिए इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी निर्धारित तिथि एवं स्थान पर आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर प्लेसमेंट कैम्प में शामिल हो सकते है।

आयुष्मान कार्ड बनाने में जिला बालोद प्रदेश में दूसरे स्थान पर

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देशानुसार जिले में अंर्तविभागीय समन्वय से शतप्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाने का लक्ष्य रखा गया है। जिसके अंतर्गत बालोद जिले में प्रतिदिन औसत 4000 आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि बालोद जिले में आयुष्मान कार्ड बनाने का कुल लक्ष्य 08 लाख 58 हजार 468 है। जिसके अंतर्गत 07 लाख 01 हजार 125 कार्ड बनाए गए हैं। जिले में 01 लाख 57 हजार 03 सौ 43 आयुष्मान भारत कार्ड बनाया जाना शेष है। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के द्वारा लक्ष्य प्राप्ति हेतु प्रतिदिन मॉनिटरिंग की जा रही है। उन्होंने बताया कि पंचायत एवं ग्राम स्तर पर कोटवार के माध्यम से मुनादी भी की जा रही है। जिले के समस्त विकासखण्ड के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं सीएमओ तथा स्वास्थ्य विभाग से खण्ड चिकित्सा अधिकारी, विकासखण्ड कार्यक्रम प्रबंधक, स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता, सचिव, सरपंच, मितानीन शत् प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाने प्रयासरत् है। उन्होंने बताया कि आयुष्मान भारत कार्ड बनाने के पश्चात् एपीएल परिवार के हितग्राही 50 हजार रुपये तथा बीपीएल परिवार के हितग्राही 05 लाख रुपये तक नि:शुल्क उपचार करा सकते हैं।

अमृत सरोवर से हो रही है पानी की खेती

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। किसी गांव में अमृत सरोवर होने से उस गांव के अच्छे दिन लौट आना आखिर कैसे सम्भव है। कोई एक तालाब कैसे किसी की दशा और दिशा को बदल पाने में समर्थ हो सकता हैं। लेकिन यह हुआ है जिले के गरियाबंद विकासखण्ड के ग्राम बिन्द्रानवागढ़ में, जहां अमृत सरोवर से हो रही है पानी की खेती।

गांव के ग्रामीण इस तालाब की चर्चा ऐसे उत्साह से करते हैं कि जैसे गांव के किसी को कोई उपलब्धि हासिल हुई हो। तालाब दिखाते हुए वे कहते कि पहले बस इत्ता सा रह गया था यह तालाब और इसका पानी। पानी इतना गंदा हो गया था कि हवा के चलने पर इसकी बदबू दूर तक महसूस होती थी। पर अभी देखिए कितना सुंदर है यह तालाब और इसका पानी। तालाब के संबंध में विस्तार से बताते हुए यहां की सरपंच मती लक्ष्मीबाई ध्रुव कहती है कि हम सोच भी नही सकते थे कि एक तालाब गांव की दशा और दिशा को बदल सकता है। सरपंच के तौर पर मैं तालाब की दशा को लेकर काफी चिंतित थी। बस एक ही ख्याल रहता था कि किसी भी तरह से इस तालाब को फिर से पुनर्जीवित तो करना ही है। यहां के 646 पंजीकृत परिवार जिसकी जनसंख्या लगभग 1471 है। इस गांव में पानी की काफी समस्या भी थी।

दूरस्थ अंचल एवं वन क्षेत्र में होने के कारण निस्तारी के लिए पानी की कमी की दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। उन्होने आगे बताया कि तालाब को पुनर्जीवित करने के लिए ग्राम पंचायत ने ग्रामीणों की बैठक आयोजित की। यहां सभी के बीच काफी चर्चा हुई। धीरे-धीरे बात बनने और बढ़ने लगी। आखिरकार यह तय हुआ कि पानी की समस्या को दूर करने के लिए तालाब का गहरीकरण किया जाए और इसके पाटों को बांधने के लिए पीचिंग का कार्य भी करवाया जाए। इसके लिए महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना से राशि की व्यवस्था की गई। ग्रामवासियों के निर्णय पर ग्राम पंचायत ने एक प्रस्ताव तैयार किया और विधिवत अनुमोदन प्राप्त कर, आठ लाख चवालिस हजार रुपये की लागत से तालाब गहरीकरण की प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त की।

आवश्यकता है
लड़के एवं लड़कियों की
वेतन चार अंकों में
भिलाई मसाला उद्योग
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

BIG BRAND
Premium Store

30% Off
70001 78467
70008 73376
Near KPS school ,
Nehru Nagar ,Bhilai

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

CONTACT
Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

शिक्षित युवाओं के लिए 17 मार्च को प्लेसमेंट कैम्प

रायपुर। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, रायपुर द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के स्थानीय शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए 17 मार्च को एक्सटेंशन काउंटर, कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स राखी, सेक्टर-27 नवा रायपुर अटल नगर में सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक प्लेसमेंट कैम्प आयोजित है। इस प्लेसमेंट कैम्प के माध्यम से डोमिनोस पिज्जा रायपुर द्वारा बिजनेस/गेस्ट डिलाईट एसोसियेट्स के 130 पदों पर भर्ती की जाएगी। इन पदों के लिए 8वीं, 10वीं उत्तीर्ण आवेदक भर्ती के लिए पात्र होंगे। चयनित उम्मीदवारों को 10 से 12 हजार रूपये प्रतिमाह भुगतान किया जाएगा। प्लेसमेंट कैम्प में सम्मिलित होने योग्य एवं इच्छुक आवेदक निर्धारित तिथि एवं स्थल पर उपस्थित हो सकते है। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए आवेदक जिला रोजगार कार्यालय रायपुर में भी संपर्क कर सकते है।

छत्तीसगढ़ में मसाला, सगंध फसलों की संभावनाओं पर राष्ट्रीय कार्यशाला 14 से

रायपुर (ए)। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, सरकंडा, बिलासपुर में 14 एवं 15 मार्च को ''मसाला एवं सगंध फसलें - छत्तीसगढ़ में संभावनाएं एवं क्षमताएं'' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इस राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा सुपारी एवं मसाला अनुसंधान संस्थान, कालीकट, केरल, राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड), रायपुर, उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी निदेशालय, रायपुर तथा छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, रायपुर के सहयोग से किया जा रहा है।

बड़े निर्यातक हब के रूप में विकसित होने की तरफ बढ़ रहा छत्तीसगढ़

एक्सपोर्ट आउटरीच कार्यक्रम में कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर भुरे हुए शामिल

नवा रायपुर में आयोजित कार्यक्रम में रायपुर जिले के साथ राज्य से निर्यात बढ़ाने और निर्यातकों की समस्या-सुविधाओं पर हुई चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नवा रायपुर में आयोजित एक्सपोर्ट आउटरीच कार्यक्रम में निर्यातकों और निवेशकों ने रायपुर जिले के साथ छत्तीसगढ़ राज्य से निर्यात बढ़ाने के लिए की जाने वाली तैयारियों पर आज खुलकर चर्चा की। विदेश व्यापार महानिदेशालय भारत सरकार के द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में प्रशासन की ओर से कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर भुरे भी शामिल हुए।

इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य से निर्यात योग्य उत्पादों और निर्यातकों को दी जाने वाली शासकीय सुविधाओं की भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम में निर्यातकों और निवेशकों ने अपनी समस्याएं भी रखी और निर्यात बढ़ाने के लिए सुझाव भी दिए। कार्यक्रम में ट्रीक, सफेक्सिल, उद्योग विभाग, लघु वनोपज फेडरेशन, एपिडा, सीडबी के साथ-साथ बैंक आफ बड़ोदा के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। भारत सरकार के विदेश व्यापार निदेशालय द्वारा जिलों को एक्सपोर्ट हब के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से निर्यात बढ़ाने की संभावनाओं वाले देश के 75 जिलों में ऐसे कार्यक्रम किए जा रहें हैं। छत्तीसगढ़ राज्य में इसके लिए रायपुर एवं दुर्ग जिले का चयन किया गया है।

कार्यक्रम में कलेक्टर ने कहा कि छत्तीसगढ़ देश में चावल सहित कई उत्पादों का प्रमुख निर्यातक राज्य है। राज्य शासन ने एक्सपोटर्स को कई सुविधाएं दी है। राज्य से निर्यात को प्रोत्साहित करने के लिए सवंर्धन समिति बनाने के साथ मंडी शुल्क में पांच प्रतिशत की छूट से लेकर औद्योगिक नीति में निर्यातकों के लिए विशेष प्रावधान भी किए गए है। कलेक्टर ने कहा कि शासकीय सुविधाओं और मदद से छत्तीसगढ़ तेजी से एक्सपोर्ट हब के रूप में विकसित होने की तरफ बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले पांच सालों में शासन की नीतियों और सुविधाओं से राज्य के निर्यात में 22 प्रतिशत से अधिक औसत वृद्धि हुई है। कलेक्टर ने यह भी बताया कि छत्तीसगढ़ से चावल, कस्ट्रक्शन मशीनरी और मटेरियल तथा प्रसंस्कृत मसालों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहें है। उन्होंने छत्तीसगढ़ में बनने वाले वायर, रॉड, बार, क्वाइल, टीएमटी सरिए, क्रूड स्टील के साथ-साथ वनोपजों इमली, महुआ, लाख और लघु धान्य मिलेट्स कोदो कुटकी रागी आदि के निर्यात की संभावनाओं और इनके लिए कार्य योजना बनाने पर भी जोर दिया।

कार्यक्रम में मौजूद निर्यातकों और निवेशकों ने छत्तीसगढ़ को निर्यात की दृष्टि से संभावना का प्रदेश बताया। निर्यातकों ने चावल के निर्यात को बढ़ाने के लिए जारी मंडी शुल्क में 5 प्रतिशत की छूट को आगे भी जारी रखने की मांग रखी। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा अभी चावल निर्यातकों को एक साल के लिए मंडी शुल्क 5 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। जिसकी अवधि अगले 2 महिनों में खत्म होने वाली है। निर्यातक समूहों ने छत्तीसगढ़ के लेंड लॉक राज्य होने की बात कहते हुए निर्यातक इकाईयों को परिवहन के लिए भी रियायत देने की मांग की। कुछ निर्यातक समूहों ने प्रोसेसिंग प्लांटों के आधुनिकीकरण के लिए सरकारी सहायता उपलब्ध कराने की मांग कार्यक्रम में की।

हेल्पलाइन नम्बर पर ग्यारह सौ लोगों की समस्याओं का हुआ समाधान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल, रायपुर सचिव प्रोफेसर व्हीके गोयल के आदेशानुसार हेल्पलाईन के टोल फ्री नम्बर 18002334363 पर प्रात: 10:30 से 05:30 बजे तक निरन्तर विद्यार्थियों/ पालकों/शिक्षकों द्वारा अपनी समस्यायें एवं अनेक तरह के प्रश्न परीक्षार्थियों द्वारा पूछे जा रहें है।

हेल्पलाईन में आज कक्षा 12वीं राजनीति शास्त्र, रसायन शास्त्र, लेखा शास्त्र, क्राप प्रोडक्षन एण्ड हार्टिकल्चर, स्टिल लाइफ एण्ड डिजाइनिंग, फिजियोलॉजी एण्ड फर्स्ट एड (शरीर क्रिया विज्ञान एवं प्राथमिक चिकित्सा) विषय के लिए प्रथम पाली में हरिप्रसाद जोशी, नम्रता तिवारी, अर्पणा तिवारी, दिव्या ठाकुर एवं द्वितीय पाली में राजकुमार गेन्डे, भावना ठाकुर, सुनीता पाण्डेय, सोमाबनिक, दीपा साखरकर, निशा सिंह, रेणुका यादव विषय विशेषज्ञों द्वारा विषय संबंधी सवालो के जवाब देते हुए समस्या का समाधान किया गया।

साथ ही मण्डल के उपसचिव जे. के. अग्रवाल के मार्गदर्षन में नोडल अधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार साहू के नेतृत्व में सहायक प्राध्यापक अलका दानी, राजेन्द्र दुबे के सहयोग से विद्यार्थियों द्वारा रखी गई समस्याओं का हेल्पलाईन के टोल फ्री नम्बर पर सोमवार तक लगभग ग्यारह सौ कॉल का समाधान किया गया।

शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन ने शिक्षिकाओं का नारीशक्ति गौरव सम्मान से किया सम्मानित

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन के द्वारा अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के परिपेक्ष्य में सियान सदन कोरबा में नारीशक्ति गौरव सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

सम्मान समारोह में शिक्षा, खेल, सामाजिक जागरूकता, कला एवं साहित्य के क्षेत्र में अनुकरणीय योगदान देने वाले महिला शिक्षिकाओं को सम्मान पत्र एवं फलदार वृक्ष के पौधे भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ सरस्वती माता की तैल्य चित्र पर दीप प्रज्वलन से किया गया। सरस्वती वंदना डॉ नीता शर्मा द्वारा प्रस्तुत किया गया एवं सामूहिक रूप से राजकीय गीत का गायन किया गया। इस अवसर पर एसोसिएशन के प्रांताध्यक्ष डॉ गिरीश केशकर ने अपने उद्बोधन में कहा कि नारी जीवन पाना अपने आप मे एक गौरव है, हमारे देश की संस्कृति में प्राचीन काल से ही नारियों का स्थान सर्वोच्च है। जन्म से लेकर उम्र के आखरी पड़ाव तक महिलाओं का जीवन संघर्ष से भरा होता है इसके बाद भी वे अपनी हरेक जिम्मेदारी को बड़े खूबसूरती से निभाने के साथ ही साथ हर क्षेत्र में अपना अग्रणी स्थान बना रही हैं, आज नारी समाज मे किसी से पीछे नहीं हैं। हर स्थान पर नारियों का सम्मान होना चाहिये और उन्हें आगे बढ़ने का हर मौका मिलना चाहिये। एसोसिएशन की कार्यकारी जिलाध्यक्ष सपना खोबरागड़े ने सभी महिलाओं से आह्वान करते हुए कहा कि महिलाएं अपने आप को सिर्फकिसी एक दायरे में समेट कर न रखें बल्कि आगे आते हुए हर क्षेत्र में अपना परचम लहराएं, हर क्षेत्र में अपना नाम रौशन करें।

किसानों के हित में छत्तीसगढ़ मॉडल को अन्य राज्य भी अपनाएं: बैजनाथ चन्द्राकर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय राज्य सहकारी बैंक महासंघ मुम्बई के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर व जनरल असेम्बेली की बैठक में अपेक्स बैंक छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष और नेफ्स्काब के राष्ट्रीय संचालक बैजनाथ चंद्राकर ने सुझाव दिया गया कि अन्य राज्यों में भी छत्तीसगढ़ मॉडल को अपनाया जाना चाहिए। केन्द्र एवं राज्य शासन को ब्याज अनुदान की राशि समितियों को समय उपलब्ध कराना चाहिए। शासकीय योजनाओं के तहत् समितियों को हुई हानि की प्रतिपूर्ति समय पर किए जाने से समिति की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी।

अपेक्स बैंक के अध्यक्ष चन्द्राकर ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा सहकारिता क्षेत्र के लगातार मजबूत बनाया जा रहा है। इसके लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहें हैं। प्राथमिक कृषि साख समितियों में अंधोसंरचना के विकास के साथ-साथ नई समितियों का गठन किया जा रहा है। राज्य में 725 नवीन पैक्स का गठन किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए खरीदी केन्द्रों में आवश्यक सुविधाओं के साथ नवीन प्राथमिक साख सहकारी समिति (पैक्स) प्रारंभ करने और इन समितियों में अंधोसंरचना विकास के कदम उठाए गए हैं। बैठक में छत्तीसगढ़ सरकार की इस पहल की सराहना की गई।

श्री चंद्राकर ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा प्राथमिक साख सहकारी समितियों की सृदृढ़ता के लिए लगातार वित्तीय सहायता दी जा रही है। छत्तीसगढ़ शासन पैक्स व उपार्जन केन्द्रों में अंधोसंरचना विकास के तहत गोदाम सह कार्यालय भवन, फड़ व चबूतरे का निर्माण किया गया। समितियों के जरिए किसान हितैषी एवं हितग्राही मूलक योजना का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। प्रदेश में गोधन न्याय योजना और वनांचल क्षेत्रों समर्थन मूल्य पर लघुवनोपजों की खरीदी से छत्तीसगढ़ के आदिवासियों, किसानों महिलाओं और खेतिहर मजदूरों की आर्थिक स्थिति सुधरी है।

जन चौपाल में कलेक्टर ने सुनी आम नागरिकों की समस्याएं

आज जन चौपाल में 40 से अधिक आवेदन आए

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने कलेक्टर सभाकक्ष में जन चौपाल के माध्यम से जिले के विभिन्न विकासखंडो से आए 40 से अधिक लोगों की समस्याएं सुनी। जन चौपाल में अभनपुर तहसील के ग्राम सारखी के दीपक जांगड़े ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने, शिवानंद नगर, खमतराई के महेश वर्मा ने चालू सड़क पर वाहन खड़ा करने की शिकायत, साहूपारा ब्रह्मपुरी के निवासियों ने अवैध कब्जे की शिकायत, कुशालपुर निवासी मुन्ना ठाकुर ने मलसाय तालाब में पूजन सामग्री विसर्जन कुंड बनवाने, मुंडन संस्कार हेतु चबूतरा निर्माण कराने और प्रसाधन बनवाने आवेदन दिया।

इसी प्रकार रायपुर की कमलेश चौहान ने अपनी भूमि के सीमांकन हेतु, ग्राम पी जामगांव के खेमराम साहू ने बंदोबस्त त्रुटि सुधार हेतु, गणेश विहार चंगोराभाठा के रहवासियों ने विद्युतीकरण सुविधा प्रदान करने, ग्राम पाड़ाभाट के राजाराम टंडन ने अपनी विकलांग पेंशन पुन: चालू करवाने, पंडरीतराई की शिवानी पाटिल ने जाती प्रमाण पत्र बनवाने, देव विहार कॉलोनी भाटागांव के कॉलोनीवासियों ने स्थाई विद्युत कनेक्शन प्रदान करने, सामाजिक कार्यकर्ता सुरेश दीवान ने ग्राम अकोली से गिधौरी सड़क का मरम्मत कराने और सिलतरा औद्योगिक क्षेत्र में वाहनों की जांच कराने, वृंदावन नगर निवासी लक्ष्मी तांडी ने अपने वार्ड में हैंडपंप सुधरवाने आवेदन दिया।

प्राप्त आवेदनों पर कलेक्टर डॉ भुरे ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर बीबी पंचभाई सहित सभी एसडीएम एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

तुंहर सरकार तुंहर द्वार: घर बैठे ही लोगों को मिला अब तक लगभग 18 लाख स्मार्ट कार्ड आधारित पंजीयन प्रमाण-पत्र और ड्राइविंग लायसेंस

आवेदकों को ड्राइविंग लायसेंस और पंजीयन प्रमाण पत्र के लिए बार-बार चक्कर लगाने से मिली मुक्ति

परिवहन विभाग द्वारा हेल्पलाईन नम्बर जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप परिवहन मंत्री मोहम्मद अकबर के मार्गदर्शन में प्रदेश में परिवहन विभाग द्वारा नई सुविधा 'तुंहर सरकार तुंहर द्वार' का कुशलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है। इसके तहत जून 2021 से अब तक 17 लाख 93 हजार 435 स्मार्ट कार्ड आधारित पंजीयन प्रमाण-पत्र और ड्राइविंग लायसेंस आवेदकों के घर भेजे जा चुके हैं। इनमें 12 लाख 23 हजार 595 स्मार्ट कार्ड आधारित पंजीयन प्रमाण-पत्र तथा 5 लाख 69 हजार 840 ड्राइविंग लायसेंस शामिल हैं।

परिवहन मंत्री मोहम्मद अकबर द्वारा 'तुंहर सरकार तुंहर द्वार' के सुव्यवस्थित संचालन के लिए लगातार निगरानी रखी जा रही है। परिवहन विभाग द्वारा संचालित 'तुंहर सरकार तुंहर द्वार' योजना लोगों की सुविधा के लिए एक महत्वपूर्ण योजना है। इसमें लोगों को परिवहन संबंधी 22 सेवाएं उनके घर के द्वार पर पहुंचाकर दी जा रही है। जन केन्द्रित इस सुविधा के अंतर्गत लोगों को अब बार-बार परिवहन विभाग का चक्कर लगाने की जरूरत नहीं है। इससे आवेदकों के धन तथा समय दोनों की ही बचत हो रही है।

परिवहन विभाग द्वारा बताया गया है कि 'तुंहर सरकार, तुंहर द्वार' सेवा को और अधिक सुलभ बनाने के लिए विभाग द्वारा एक हेल्पलाईन नम्बर 75808-08030 जारी किया गया है, जो सभी कार्य दिवसों में प्रात: 10 बजे से शाम 5.30 बजे तक कार्य करते हुए जानकारी प्रदान करता है। आवेदक चाही गई जानकारी ई-मेल आईडी पर भी अपनी मेल भेजकर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। उक्त हेल्पलाइन नम्बर पर फोन करके आवेदक अपने ड्रायविंग लाइसेंस एवं पंजीयन प्रमाण पत्र के प्रेषण संबंधी समस्त जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। अभी औसतन प्रतिदिन 100 कॉल आ रहे हैं। जिसमें मुख्य रूप से ड्रायविंग लाइसेंस एवं पंजीयन प्रक्रिया, टैक्स एवं फीस संबंधी जानकारी प्राप्त कर रहे हैं।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

कहीं आपको भी तो नहीं है बेवजह अंगुलियां चटकाने की आदत

अक्सर महिलाएं शौक या मामूली आदत मानते हुए घर पर या फिर ऑफिस में बैठे-बैठे या कुछ लिखते समय उंगलियां चटकाती है । भले ही उंगुलियों के चटकने के बाद हाथों को काफी आराम मिलता है, लेकिन क्या आप जानती हैं कि आपका ये शौक आपको गंभीर बीमारी का शिकार बना सकता है। इस आदत कोई किसी को सिखाता भी नहीं है। तो ऐसे में सवाल उठता है कि ये आदत कैसे पड़ती है? दरअसल उंगलियों को चटकाने से जोड़ों के आस-पास की मसल्स और हाथों को आराम मिलता है। इसलिए ज्यादातर महिलाएं लिखते-पढ़ते या ऑफिस व अन्य जगह में बैठे-बैठे ही उंगलियां चटकाने लगती हैं, क्योंकि ऐसा करने से उन्हें आराम मिल जाता है।

ध्यान देने वाली बात ये है की उंगलिया चटकने से ये सभी नुक्सान हो सकते है जैसे की उंगलियों को चटकाने से हड्डियों बुरा प्रभाव पड़ता है। हाथ, पैर की उंगलियां चटकाने से काम करने की क्षमता कमजोर होती है। इसलिए उंगलियां चटकाने की आदत को छोड़ना होगा। उंगलियों के जोड़ और घुटने के जोड़ों में सिनोवियल फ्लूइड लिक्विड पाया जाता है। यह लिक्विड हड्डियों को जोड़ने में मददगार है। यह लिक्विड हमारी हड्डियों के जोड़ों में ग्रीस का काम करता है। यह लिक्विड हड्डियों को एक दूसरे से रगड़ खाने से रोकता है।

उस लिक्विड में मौजूद गैस जैसे कार्बन डाई ऑक्साइड नई जगह बनाती जिससे हड्डियों मे बुलबुले बन जाते हैं। जब उंगलियों को चटकाते हैं तो वही बुलबुले फूटते हैं। लेकिन क्या आप जानती हैं कि उंगलियों के बार-बार चटकाने से सिनोवियल फ्लूइड लिक्विड कम होने लगता है। सिनोवियल फ्लूइड लिक्विड के खत्म होने से अर्थराइटिस हो सकता है और जोड़ों को बार-बार खींचने से हड्डियों की पकड़ भी कम हो सकती है। इसलिए उंगलियां चटकाने से बचे।उंगलियां चटकाने से हाथ में सॉफ्ट टिश्यूज में सूजन आ सकती है। लंबे समय से उंगलियां चटकाने का बुरा असर पड़ सकता है। कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी ने इस पर रिसर्च करके बताया है कि इस तरह से उंगलियों को चटकाने से हड्डियां कमजोर होती हैं।

शादी करने और मां बनने पर रिधिमा पंडित ने कह दी बड़ी बात

बहू हमारी रजनीकांत में सुपर ह्यूमनॉइड रोबोट के रूप में फेमस होने वाली रिधिमा पंडित ने पिछले साल सितंबर में अपने एग्स फ्रीज किए थे। वह कहती हैं कि उन्हें अपने फैसले पर गर्व है क्योंकि उसके बाद उनके कई दोस्त इस प्रक्रिया में शामिल हो रहे हैं। रिधिमा पंडित का मानना है कि उन्होंने अपने जीवन का सबसे अच्छा निर्णय पिछले साल सितंबर में लिया था, जब उन्होंने अपने एग्स फ्रीज किए थे। वह कहती हैं, मैं आजाद महसूस कर रही हूं। मेरे दिमाग में लंबे समय से एग्स फ्रीज करने की बात चल रही थी और सितंबर में इसके साथ आगे बढ़ना सही लगा, क्योंकि मेरे पास अपने असाइनमेंट के बीच एक महीने का समय था। इसके लिए तैयारी करने और इससे उबरने के लिए यह एक सही फैसला था। इस प्रक्रिया में बेस्ट डॉक्टरों ने मेरा मार्गदर्शन किया।

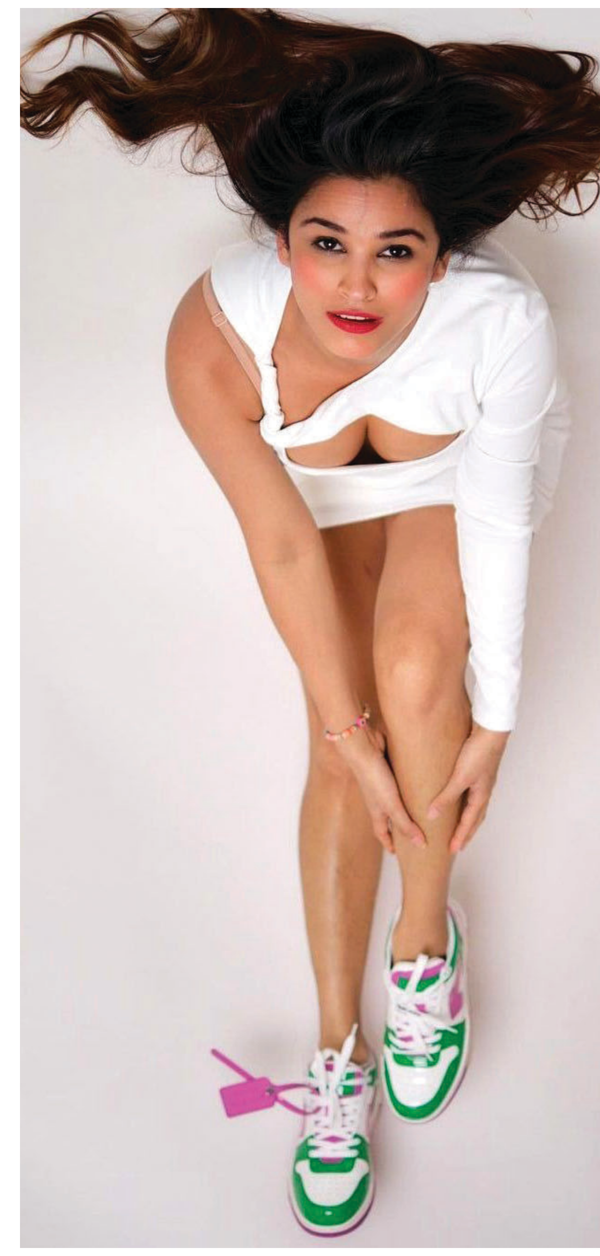

उनका परिवार, खासकर उनकी दिवंगत मां उनके फैसले का समर्थन कर रही थीं। रिधिमा कहती हैं, मेरा परिवार बेहद डेवलप है और इससे भी ज्यादा मेरी मां। मुझे उसके साथ इस बात पर चर्चा करना याद है। जब मैंने उनसे पूछा कि क्या मैं शादी नहीं करना चाहती, सही आदमी नहीं मिला, या काम पर ध्यान था लेकिन बच्चा पैदा करने के लिए तरस रही थी, तो क्या वह इसके लिए पहले से तैयारी कर लेंगी और उन्होंने जवाब दिया, बेशक, बस इसके लिए जाएं और मुझे उम्मीद है कि आप इसके साथ लोगों को प्रेरित कर सकते हैं। मुझे अपने फैसले पर गर्व है क्योंकि इस प्रक्रिया के लिए बहुत सारे दोस्त जा रहे हैं।

कई लोगों का मानना है कि इस तरह के कदम वे लोग उठाते हैं जो शादी और मदरहुड से ज्यादा करियर और लाइफस्टाइल को प्राथमिकता देते हैं। रिद्धिमा, जो अपने शुरुआती 30 के दशक में हैं, कहती हैं, एक महिला हमेशा इन सवालों से घिरी रहती है कि वह मातृत्व और काम कैसे संभालेगी, लेकिन कोई भी पुरुष से इस बारे में नहीं पूछता। लोग पेशे के बावजूद महत्वाकांक्षी हैं, इसलिए एक्ट्रेसेस को अपने करियर पर ध्यान देने और मां बनने में देरी के लिए दोष नहीं देना चाहिए।

बहू हमारी रजनीकांत, खतरों के खिलाड़ी 9 और हैवान जैसे टीवी शो में नजर आ चुकीं एक्ट्रेस ने कहा कि उनके एग्स फ्रीज करने का मतलब यह नहीं है कि वह शादी को टालना चाहती हैं। वह कहती हैं, अभी मेरा कोई साथी नहीं है। इसलिए बाद में पछताने के बजाय इस पर आगे बढ़ना सही समझा। सबसे जरूरी कारण एक महिला का सीमित प्रजनन समय है और मुझे बच्चा पैदा करने के लिए शादी करने का दबाव महसूस नहीं करना है। बेशक, मैं स्वाभाविक रूप से भी प्रेग्नेंट होना चाहूंगी। लेकिन भगवान न करे, अगर ऐसा नहीं होता है, तो मेरे पास यह ऑप्शन है।

वह आगे कहती हैं, मैं शादी को एक संस्था के रूप में मानती हूं और एक दिन ये करना चाहूंगी। मेरी 93 साल की दादी मेरी शादी को लेकर जुनूनी हैं। जब मैंने उन्हें प्रक्रिया के बारे में बताया तो वह विश्वास नहीं कर सकीं लेकिन इस कदम को उठाने के लिए डॉक्टर्स ने मेरी सराहना की। एक्ट्रेस को अपने खाने का ध्यान रखना था और एक स्वस्थ लाइफस्टाइल को बनाए रखना था। उन्होंने कहा, मुझे प्रक्रिया से पहले कुछ महीनों के लिए विटामिन की गोलियां और लगभग 10 दिनों के लिए हार्मोनल इंजेक्शन लेने पड़े। अंतिम दिन जब मुझे एक साथ पांच शॉट लेने थे तो यह थोड़ा अचंभित करने वाला था लेकिन मुझे पता था कि सब कुछ इसके लायक था। मुझे अपने जीवन और लाइफस्टाइल में वापस आने में एक सप्ताह से अधिक का समय लगा।

तरबूज खाने के है गजब के फायदे, जानकर होगी हैरानी

गर्मियों का रसीला फल तरबूज न केवल खाने में अच्छा होता है बल्कि स्वास्थ्य को भी अनजाने में कई फायदे पहुंचाता है। तरबूज में मौजूद फाइबर, पोटैशियम, आयरन एवं विटामिन-ए, विटामिन सी लाइकोपीन और एंटीऑक्सीडेंट जैसे गुण शरीर में पानी की कमी को दूर करके उसे हाइड्रेट रखने में सहायता करते हैं। ऐसे में इस समर सीजन इस लाल रंग के मीठे फल का मजा लेने से पहले जान लेते हैं, इसे खाने से शरीर को मिलते हैं क्या-क्या लाभ।

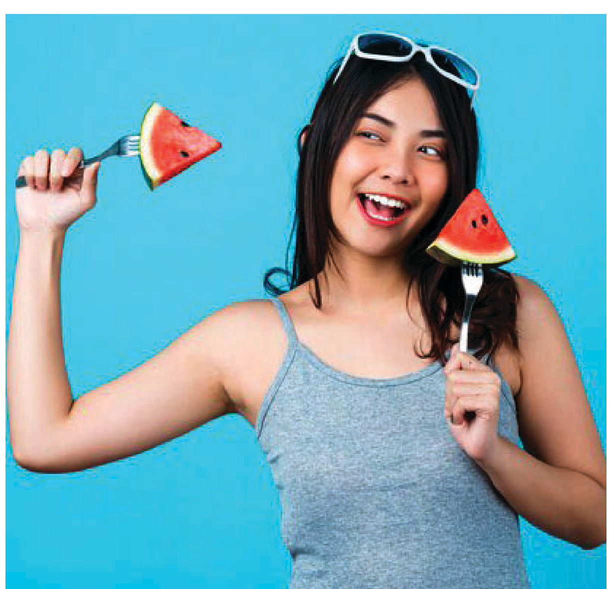

तरबूज खाने से मिलते हैं ये फायदे

इम्यूनिटी:- तरबूज में विटामिन सी सहित कई अन्य पोषक तत्व भी पाए जाते हैं, जो व्यक्ति की इम्यूनिटी को मजबूत बनाए रखने में सहायता कर सकते हैं।

डायबिटीज:- डायबिटीज मरीजों के लिए तरबूज का सेवन करना बेहद लाभदायी माना गया है। तरबूज में एंटीऑक्सीडेंट के साथ-साथ एंटीडायबीटिक गुण भी मौजूद होते हैं। इसके अतिरिक्त यह कोलेस्ट्रॉल से मुक्त होने के कारण टाइप-2 डायबिटीज को कंट्रोल करने में भी सहायता कर सकता है।

मोटापा:- यदि आप अपनी वेट लॉस जर्नी पर हैं तो तरबूज आपकी सहायता कर सकता है। तरबूज में पानी की मात्रा अधिक होने के कारण कैलोरी की मात्रा कम होती है। जो वेट लॉस में सहायता कर सकती है।

पाचन:- कई बार हैवी एवं तला भूना खाना खाने से व्यक्ति का पाचन बिगड़ जाता है। ऐसे में तरबूज का सेवन करने से आप अपने बिगड़े हुए पाचन को बेहतर बना सकते हैं। तरबूज खाने से कब्ज, डायरिया एवं गैस जैसी दिक्कत में राहत मिल सकती है।

बॉडी रखे हाइड्रेट:- तरबूज में भरपूर मात्रा में पानी मौजूद होता है, जो गर्मियों में शरीर में पानी की कमी होने से रोकता है। इसका नियमित सेवन करने से डिहाइड्रेशन के साथ कमर दर्द, चक्कर आना, मुंह सूखना, ब्लड प्रेशर जैसी दिक्कत भी दूर हो सकती है।

ब्लड प्रेशर रखें कंट्रोल:- तरबूज में साइट्रलाइन नामक एमिनो एसिड पाया जाता है, जो रक्तचाप के मरीजों के लिए लाभकारी हो सकता है।

हेरा फेरी 3 में विलेन का रोल करेंगे संजय दत्त, अक्षय, सुनील और परेश से होगी टक्कर?

बॉलीवुड इंडस्ट्री की चर्चित फ्रेंचाइजी में एक हेरा फेरी की तीसरी फिल्म हेरा फेरी 3 एक बार फिर चर्चा में बनी हुई है। दरअसल, बीते दिनों खबर आई थी कि अब फिल्म हेरा फेरी 3 में पुरानी स्टारकास्ट यानी अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल ही नजर आएंगे। इसके साथ ही बताया गया था कि कार्तिक आर्यन इस फिल्म में नजर नहीं आएंगे। अब फिल्म हेरा फेरी 3 को लेकर नया अपडेट आया है।

रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि इस फिल्म में विलेन के रोल में संजय दत्त नजर आने वाले हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म हेरा फेरी 3 में विलेन का रोल निभाने के लिए संजय दत को चुना गया है। इस फिल्म में संजय दत्त का रोल काफी दिलचस्प होगा जो लोगों पागल करने वाला होगा। रिपोर्ट में बताया गया है कि फिल्म हेरा फेरी 3 में संजय दत्त का रोल अंधे और काफी अजीब होगा। संजय दत्त ने इस फिल्म को करने के लिए हां कर दी है और वह विलेन का किरदार निभाएंगे।

रिपोर्ट में बताया गया था कि अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल ने फिल्म हेरा फेरी 3 की शूटिंग शुरू कर दी है। फिल्म का डायरेक्शन अनीस बज्मी नहीं कर रहे हैं बल्कि डायरेक्शन की जिम्मेदारी फरहाद सामजी को दी गई है। रिपोर्ट में ये भी बताया गया है कि फिल्म हेरा फेरी 3 में अक्षय कुमार कैसे लौटे हैं, इसको लेकर कोई जानकारी नहीं है लेकिन अक्षय कुमार के लिए फिल्म में कुछ बदलाव किए गए हैं। ये भी बताया गया है कि फिल्म में कार्तिक आर्यन नहीं नजर आएंगे। इस बात की अटकलें लगाई जा रही हैं कि अक्षय कुमार को वापस लाने में फिरोज नाडियाडवाला और सुनील शेट्टी का योगदान है।

हटाना चाहते हैं आंखों से चश्मा, इन 10 उपायों से तेज होगी आपकी नजरें

आंखें हमारे शरीर के सबसे अहम हिस्सों में से एक है और इसका केयर करना भी बेहद जरूरी है। लेकिन आजकल देखने को मिल रहा हैं कि बच्चे हों या बड़े सभी की आंखों पर नजर का चश्मा लगता जा रहा हैं। प्रदूषण, टीवी, कंप्यूटर और मोबाइल से निकलने वाली किरणों और पोषण की कमी आदि नजर कमजोर होने के कुछ कारण हो सकते हैं। आंखों की रोशनी कम होने की वजह से सिरदर्द और आंखों से पानी निकले जैसी समस्याएं होने लगती हैं। अगर वक्त रहते अपनी दृष्टि और इसमें परेशानी के कारणों पर ध्यान नहीं दिया जाता है तो चश्मा चढ़ने या इसके नंबर बढ़ने की स्थिति आ जाती है। अगर आप चाहते हैं कि आंखों की रोशनी को बढ़ाया जाए और चश्मा हटाया जाए, तो यहां बताए जा रहे उपायों को आजमा सकते हैं। आइये जानते हैं इनके बारे में...

पेंसिल से एक्सरसाइज

पेंसिल को हाथ में सीधा खड़ा करके पकड़ें। फिर उसे धीरे-धीरे अपनी आंखों के सामने लाएं और फिर दूर ले जाएं। इस तरीके को रोजाना दिन में 5 से 10 बार आजमाएं। आंखों की रोशनी को बढ़ाने के लिए यह बेहद कारगर तरीका माना जाता है।

हथेलियों की मालिश

आंखों से स्ट्रेस दूर करने के लिए अपनी दोनों हथेलियों को आपस में रगडकर गर्मी पैदा करें। फिर आंखे बंद करके हथेलियों को आंखों पर रखें। इस दौरान इस बात का खास ख्याल रखें कि आंखों पर हाथ रखते पर रोशनी बिल्कुल ना आएं। दिन में ऐसा 3-4 बार करें।

सन स्विंगिंग

सूरज की ओर आंख कर उसे बंद कर लिजिए और अपने शरीर को एक साइड से दूसरी साइड तक स्विंग कीजिए। पांच मिनट तक ऐसा करें। इससे आई बॉल की मसाज होती है।

पलकों को जल्दी-जल्दी झपकाएं

आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए पलकों को 20 से 25 बार जल्दी-जल्दी झपकाएं। आंखों की इस एक्सरसाइज को दिन में एक बार जरूर आजमाएं। ज्यादातर लोग फोन और कंप्यूटर चलाते समय अपनी पलकों को कम झपकाते हैं, जिसकी वजह से आंखों की रोशनी कम होती चली जाती है। पलक झपकाने से आंखों की रोशनी बढ़ती है।

गाजर का जूस

गाजर में कई तरह के विटामिन्स होते है, ये सभी प्रकार के तत्व आंखों को सही रखने मे कारगर होते हैं, इसलिए इस सब्जी का जूस पीना आंखों के लिए लाभकारी होता है। कोशिश करें की आप इस जूस को नियमित रूप से पीते रहें।

बादाम, सौंफ और मिश्री का पाउडर

बादाम, सौंफ और मिश्री को सामान मात्रा में मिलाकर पाउडर बना लें। रोजाना रात को सोने से पहले 250 मिलि दूध में 10 ग्राम तैयार मिश्रण मिलाएं और सेवन करें। इससे आंखों की रोशनी बढ़ती हैं।

त्रिफला

कई हजारों सालों से त्रिफला को कई बीमारियों के इलाज के लिए इस्तेमाल किया जाता रहा है। इसमें विटामिन ए होने के कारण यह आंखों में होने वाली जलन को रोकता है। त्रिफला कॉर्नियल डायस्ट्रोफिस, कंजंक्टिवाइटिस, आंखों की रोशनी जाना और उम्र के कारण आंखों के कमजोर होने जैसी परिस्थितियों में मदद करता है। एक गिलास गुनगुने पानी में एक बड़ी चम्मच त्रिफला चूर्ण मिलाएं और पानी को ठंडा होने दें। इसे रात भर पड़ा रहने दें और इस पानी से सुबह अपनी आंखें धो लें। इसे सिर्फ एक महीने और प्रति दिन में एक बार ही इस्तेमाल करें।

आंवला

विटामिन सी की अधिकता वाला यह पावरफुल एंटीऑक्सीडेंट आंखों के लिए काफी अच्छा है। यह रेटिना सेल्स के काम करने के तरीके में भी सुधार करता है और स्वस्थ कोशिकाओं को बढ़ावा देता है। पानी में 2 से 4 चम्मच आंवलें का पाउडर और शहद मिला लें। इसे कुछ महीनों तक रोजाना दो बार पीएं।

धनिया की आई ड्रॉप

तीन भाग धनिया के साथ एक भाग चीनी मिक्स करें। दोनों को पीसकर पेस्ट बना लें। फिर इसे पानी में गर्म करें और एक घंटे के लिए कवर करके रख दें। फिर एक साफ कॉटन का कपड़ा लेकर इस मिश्रण को छान लें और आंखों में आई ड्रॉप की तरह इस्तेमाल करें।

गुलाब जल

गुलाब जल आंखों को ठंडक देने का कार्य करता है और इसको आंखों में डालने से आंखों की रोशनी बनी रहती है और कम भी नहीं होती है। इसलिए अगर आपको चश्मा चढ़ा हुआ है तो आप हफ्ते में दो बार गुलाब जल इनमें जरूर डालें। हालांकि गुलाब जल आंखों में डालने से पहले ये सुनिश्चित कर लें, कि ये आपकी आंखों को सूट करता हो और जो जल आप डाल रहे हैं वो सही क्वालिटी का हो।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
Paul Sir
रामा कोचिंग
135, NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

सभी बी.एल.ओ नव-मतदाताओं को जागरूक और मतदाता सूची संबंधी कार्य गंभीरता से करें-कलेक्टर

खैरागढ़। नवगठित जिला खैरागढ़-छुईखदान-गंडई के कलेक्टर डॉ. जगदीश सोनकर द्वारा जिला में मतदाता सूची का पुनरीक्षण कार्य एवं मतदाताओं को चुनाव के प्रति जागरूक करने हेतु उत्कृष्ट बी.एल.ओ. का सम्मान जिला कार्यालय में दिया गया। केसीजी के जिला निर्वाचन कार्यालय की अनुशंसा पर बी.एल.ओ. पिंकी ठाकुर केंद्र - शा.प्रा.शाला भवन दाऊचौरा, खैरागढ़ को उत्कृष्ट बी.एल.ओ. हेतु सम्मानित किया गया। उक्त सम्मान में बी.एल.ओ. पिंकी ठाकुर को 5000रू. का चेक व प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। सम्मानित होने पर पिंकी ठाकुर ने कलेक्टर का आभार प्रकट करते हुए कहा कि नव मतदाताओं को जागरूक करना और मतदाता सूची पुनरीक्षण में बी.एल.ओ का कार्य बहुत ही महत्वपूर्ण होता है। मतदाता पुनरीक्षण में किसी भी प्रकार की त्रुटि न हो, इसे विशेष रूप से ध्यान रखा जाता है । मतदाता पुनरीक्षण के माध्यम से 18 वर्ष आयु पूर्ण होने पर, किसी व्यक्ति के स्थानांतरण होने पर या व्यक्ति मृत होने पर नाम जुड़वा अथवा कटवा सकते है। इस दौरान संयुक्त कलेक्टर सुनील कुमार शर्मा उपस्थित थे।

आंगनबाड़ी भर्ती : पसान परियोजना अंतर्गत प्राप्त आवेदनों पर दावा आपत्ति 27 तक

कोरबा। एकीकृत बाल विकास परियोजना पसान के अंतर्गत आंगनबाड़ी केन्द्रों में रिक्त पदो में भर्ती के लिए प्राप्त आवेदनों पर दावा आपत्ति 27 मार्च 2023 तक आमंत्रित की गई है। परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना पसान ने बताया कि आंगनबाडी केन्द्र में कार्यकर्ता के 05, मिनी कार्यकर्ता के 01 तथा सहायिका के 09 रिक्त पदो पर भर्ती के लिए आवेदन मंगाया गया था। मुल्यांकन समिति द्वारा प्राविधिक मुल्यांकन का परीक्षण पश्चात अनंतिम योग्यता सूची का प्रकाशन कर दिया गया है। प्राप्त आवेदनों पर दावा आपत्ति मंगाया गया है। रिक्त पदों के लिए मंगाए गए आवेदनों पर दावा आपत्ति परियोजना कार्यालय पसान में कार्यालयीन समय में स्वीकार की जायेगी। समयावधि के उपरांत किसी भी दावा-आपत्ति स्वीकार नही की जायेगी।

ई-जनचौपाल में 40 आवेदन हुए प्राप्त

कांकेर। कलेक्टर डॉ. प्रियंका शुक्ला के निर्देशानुसार जिले में प्रति सोमवार को ई-जनचौपाल का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें जिला प्रशासन के अधिकारियों द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ग्रामीणों की समस्या व शिकायत सुनी जा रही है तथा उसका त्वरित निराकरण भी किया जा रहा है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुमीत अग्रवाल ने आज सोमवार को ई-जनचौपाल में लोगों की समस्या सुनी तथा उसके निराकरण के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया। सोमवार को आयोजित ई-जनचौपाल में 40 आवेदन प्राप्त हुए। अंतागढ़ विकासखण्ड से 02, भानुप्रतापपुर विकासखण्ड से 08, चारामा विकासखण्ड से 07, दुर्गूकोंदल विकासखण्ड से 02 और कोयलीबेड़ा विकासखण्ड से 06 लोगों ने अपने जनपद कार्यालय में उपस्थित होकर वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से तथा 15 व्यक्तियों द्वारा जिला कार्यालय में उपस्थित होकर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुमीत अग्रवाल को अपनी समस्या से अवगत कराया, जिनका निराकरण करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है।

केसीसी बनवाने बड़ी संख्या में पहुंचे किसान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा के निर्देशन एवं सीईओ जिला पंचायत अबिनाश मिश्रा के मार्गदर्शन में आज जिले के सभी जनपद पंचायत में किसान क्रेडिट कार्ड बनाने हेतु शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें किसानों की भारी भीड़ रही और यहां सैकड़ों किसानों ने क्रेडिट कार्ड के लिए आवेदन जमा किया। जहां उपस्थित अधिकारियों-कर्मचारियों ने आवेदकों से फार्म भरवाया।

शिविर में कृषि, पशुपालन, हार्टीकल्चर, मत्स्य सहित अन्य संबंधित विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। शिविर के प्रथम दिन आज जिले से कुल 143 किसानों ने किसान क्रेडिट कार्ड के लिए आवेदन जमा किया है। जिसमें गौ पालन के 37, मत्स्य के 37, उद्यानिकी के 48 एवं कृषि के 21 आवेदन प्राप्त हुए। यह शिविर आगामी 31 मार्च तक प्रत्येक सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को लगाए जायेंगे।

ज्ञात हो कि किसानों को कृषि कार्यों के लिए ऋण की आवश्यकता होती है। इसे देखते हुए राज्य शासन की ओर से किसान क्रेडिट कार्ड धारकों को सहकारी बैंक से सस्ता ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए केसीसी बनाने का काम जारी है। जिसके लिए शिविर लगाए जा रहे है, जिसके माध्यम से किसान अपना क्रेडिट कार्ड बनवा सकता है।

जनपद पंचायत रायगढ़ में आयोजित शिविर में आये सहसपुरी निवासी श्री खेमराज यादव ने बताया कि जिला प्रशासन की यह अच्छी पहल है। जहां शिविर के माध्यम से केसीसी कार्ड बनाने हेतु आवेदन लिए जा रहे है। उन्होंने बताया कि केसीसी के माध्यम से यहां हम जैसे किसानों के लिए गाय एवं मछली पालन, सब्जी उत्पादन के लिए शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध हो जाता है। शिविर में पहुंची टारपाली निवासी श्रीमती भालकुनी राठिया ने बताया कि वह कृषि कार्य से ही अपना व परिवार का पालन-पोषण करती हैं। कभी-कभी पैसे के अभाव में फसल, बीज या खाद खरीदने में कठिनाई हो जाती है। शासन द्वारा अगर केसीसी ऋण योजना का लाभ मिलता है तो वे प्राप्त राशि से वह बीज या खाद खरीदेंगी। इसी तरह ग्राम सहसपुरी से किसान श्री संजय चौहान पहुंचे हुए थे। उन्होंने बताया कि ग्राम के कोटवार के माध्यम से हमें यह जानकारी मिली कि यहां किसान क्रेडिट कार्ड के लिए शिविर लगाया जा रहा है। यहां आने से मुझे पता चला कि अलग-अलग कार्यो हेतु केसीसी जारी किया जा रहा है। जिसमें खेती से भी ज्यादा लाभ उद्यानिकी फसलों में मिल रहा है। जिसके लिए मैने आवेदन जमा किया। उन्होंने अपने क्षेत्र एवं आसपास के किसानों को भी शासन की इस योजना का लाभ उठाने हेतु आग्रह किया है।

जनपद सीईओ रूपेन्द्र पटेल ने बताया कि कलेक्टर श्री सिन्हा के निर्देशन में आज से किसान क्रेडिट बनाने हेतु जिले के जनपद पंचायत कार्यालय में शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर आगामी 31 मार्च तक प्रत्येक सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को लगाए जायेंगे। ताकि अधिक से अधिक किसान यहां उपस्थित होकर केसीसी बनवा सकते है। उन्होंने बताया कि किसान क्रेडिट कार्ड योजना से किसान कम ब्याज दरों में कृषि व संबंधित कार्यों के लिए बैंको से ऋण ले सकते हैं। जिससे उन्हें अपने खेती-किसानी के कामों के लिए कार्यशील पूंजी मिल जाती है। केसीसी से किसानों को कृषि कार्यों के लिए ब्याजमुक्त अल्पकालीन ऋण मिलता है। पशुपालन, मछली पालन और उद्यानिकी कार्यों के लिए भी अल्पकालीन ऋण दिया है। पशु पालन हेतु 2.00 लाख तक का ऋण 1 प्रतिशत ब्याज दर पर एवं रूपये 2 लाख से अधिक एवं रूपये 3 लाख तक के ऋण 3 प्रतिशत ब्याज दर पर दिया जाता है।

कलेक्टर सिन्हा ने जनचौपाल में सुनी जनसामान्य की समस्याएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा ने आज कलेक्टर कक्ष में आयोजित जन चौपाल में जनसामान्य से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को जनसामान्य की समस्याओं, मांग एवं शिकायतों के प्राप्त आवेदनों का त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। आयोजित जन चौपाल में कुल 67 आवेदन प्राप्त हुए थे। इस अवसर पर अपर कलेक्टर राजीव पाण्डेय एवं संयुक्त कलेक्टर डी.आर.रात्रे भी उपस्थित रहे।

आयोजित जनचौपाल में विकासखंड पुसौर ग्राम कोतासुरा निवासी दीनबंधू दास वैष्णव, जगन्नाथ मंदिर के नाम से दर्ज भूमि का भू-अर्जन मुआवजा स्वयं के नाम से प्रदान करने आवेदन लेकर पहुंचे थे। कलेक्टर सिन्हा ने कहा कि भूमि का मुआवजा राशि आ चुका है, मंदिर निर्माण के लिए प्राक्कलन तैयार करें, ताकि समिति के सदस्यों के संयुक्त खाते में राशि स्थानांतरित किया जा सके। इसी प्रकार ग्राम देवलसुर्रा निवासी रामाधीन सिदार भू-अर्जन मुआवजा प्रदान करने की मांग संबंधी आवेदन लेकर पहुंचे थे, उन्होंने बताया कि उन्हे भू-अर्जन मुआवजा राशि आज पर्यन्त प्रदान नही किया गया है, जिस पर कलेक्टर सिन्हा ने एसडीएम रायगढ़ को तीन दिनों के भीतर आवेदन के निराकरण करने के निर्देश दिए। गेरूवानी निवासी शुभनाथ, सुखसाय एवं रघुनाथ वन अधिकार पत्र प्रदान करने आवेदन लेकर आए थे, उन्होंने बताया कि उनके पास कोई भूमि नही है, कब्जा भूमि के माध्यम से जीवन यापन कर रहे है। उन्होंने कलेक्टर सिन्हा से वनअधिकार पत्र प्रदाय करने हेतु निवेदन किया, जिस पर कलेक्टर सिन्हा ने आयुक्त आदिवासी विभाग को नियमानुसार कार्यवाही के निर्देश दिए। तमनार के महंत समाज द्वारा छोटे झाड़ जंगल भूमि को शमशान के नाम पर रिकार्ड में दर्ज कराने जनचौपाल में आवेदन दिए, उन्होंने बताया कि समाज द्वारा उक्त भूमि को वर्षो से शमशान के रूप में उपयोग किया जा रहा है, उन्होंने निवेदन किया गया कि उक्त भूमि को शमशान के नाम पर दर्ज किया जाए, जिस पर कलेक्टर सिन्हा ने घरघोड़ा एसडीएम को नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए। तहसील खरसिया ग्राम भागोडीह निवासी मती सुमित्रा बाई साहू पीएम आवास योजना का लाभ प्रदान करने आवेदन लेकर पहुंची थी, उन्होंने बताया कि वह गरीबी रेखा के अन्तर्गत जीवन यापन करती है तथा उनका मकान जर्जर हो चुका है। जिस पर कलेक्टर सिन्हा ने जनपद सीईओ को नियमानुसार कार्यवाही के निर्देश दिए। ग्राम पंचायत पुसल्दा के ग्रामवासियों ने गांव में नल-जल योजना विस्तार के लिए आवेदन लेकर पहुंचे थे।

जनसंपर्क विभाग की छायाचित्र प्रदर्शनी में लोगों को मिली योजनाओं की जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

गौरेला पेंड्रा मरवाही। जिला जनसंपर्क कार्यालय द्वारा राज्य सरकार की 4 वर्ष की उपलब्धियों पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी में लोगों को विकास की झलक देखने को मिली। प्रदर्शनी स्थल पर बड़ी संख्या में लोगों को शासकीय योजनाओं एवं उपलब्धियों पर आधारित विभिन्न प्रकार की पुस्तकों एवं पाम्पलेट वितरित किए गए। नगर पंचायत पेंड्रा में मरवाही मुख्यमार्ग में सरस्वती शिशु मंदिर के बाजू में आयोजित प्रदर्शनी में लोगों की काफी भीड़ रही।

प्रदर्शनी में लोगों को एक ओर जहां मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की जनकल्याणकारी एवं फ्लैगशिप योजनाओं की जानकारी मिली वहीं दूसरी ओर योजनाओं और उपलब्धियों पर आधारित न्याय के 4 साल, खुशहाली का नया दौर, स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय, छत्तीसगढ़ जनमन पत्रिका, हमर माटी-हमर कलेवा-हमर तिहार, भेंटमुलाकात, महतारी कैलेण्डर एवं शीट कैलेण्डर सहित विभिन्न तरह की पुस्तिकाएं और पाम्पलेट वितरित किए गए।

बिहान के तहत ग्रामीण महिलाएं हो रही स्वावलंबी

आयमूलक गतिविधियों से कमा रही 50 से 60 हजार रुपए तक की आय

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोण्डागांव। ग्रामीण क्षेत्र में निवासरत महिलाओं को रोजगार से जोड़कर सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान का शुभारंभ किया गया है। इन्हें आर्थिक रूप से सबल बनाने के लिए राज्य सरकार की ओर से हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। आज बिहान की महिलाएं समूह से जुड़कर सफलता की नयी कहानियां लिख रही हैं तथा अपने सपने को पंख दे कर नयी उड़ान भरने को तैयार हैं।

योजना के अंतर्गत एनआरएलएम की टीम व तीनों स्तर की पंचायतों द्वारा समूह का वित्तीय समावेशन व कौशल उन्नयन किया जा रहा है ताकि वे अपने एवं अपने परिवार की आजीविका संवर्धन में अग्रसर हो सके। आज बिहान से जुड़ कर गांव की महिलाएं अपना स्वरोजगार स्थापित कर पारीवारिक खर्चो में अपने परिवार का हाथ बटा रही हैं साथ ही परिवार और समाज में अपनी एक अलग पहचान भी बना रही हैं। एनआरएलएम से प्रशिक्षण एवं वित्तीय सहायता प्राप्त कर फरसगांव विकासखंड के अंतर्गत ग्राम मोहलई की जय मां बमलेश्वरी स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा वर्ष 2018 से सब्जी उत्पादन का कार्य किया जा रहा है। समूह से जुड़ी हुई महिला श्रीमती फूलन बाई पांडे बताती हैं कि समूह के द्वारा लगभग ढाई एकड़ कृषि भूमि पर करेला एवं मिर्ची की खेती की जा रही है इसके लिए समूह को योजनांतर्गत बैंक लिंकेज के माध्यम से 2 लाख रुपए का ऋण निम्न ब्याज दर पर प्राप्त हुआ था जिसे खेती में लगाकर समूह के द्वारा आजीविका संवर्धन किया जा रहा है।

अब तक सब्जी बेचकर समूह को लगभग 70 हजार रुपए तक का शुद्ध आय प्राप्त हो चुका है। इसके अलावा ग्राम पंचायत मोहलई के मां बमलेश्वरी स्व सहायता समूह की ही महिलाओं के द्वारा मार्च 2022 से मछली पालन कार्य किया जा रहा है। इस समूह की महिलाओं को इस कार्य से अब तक 70 हजार 800 रुपए का शुद्ध आय प्राप्त हो चुका है।

इसी प्रकार फरसगांव ब्लाक के ग्राम पंचायत हिर्री की मां शीतला स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा जुलाई 2022 से मछली पालन का कार्य किया जा रहा है। इसके लिए समूह को योजनांतर्गत बैंक लिंकेज के माध्यम से 5 लाख रूपए का ऋण निम्न ब्याज दर पर प्राप्त हुआ था। इस राशि का उपयोग करते हुए समूह की महिलाओं के द्वारा मछ्ली पालन व्यवसाय प्रारंभ किया गया। उनके द्वारा मछलियों का स्थानीय बाजारों में विक्रय कर अब तक 65 हजार रुपए तक का शुद्ध लाभ अर्जित किया जा चुका है। फरसगांव ब्लॉक के ही ग्राम पंचायत मोदे के सूरज स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा दिसंबर 2021 से छोटे स्तर पर मुर्गी पालन का कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह में परिणय सूत्र में बंधे 85 जोड़े

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वकांक्षी योजना एवं मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की फ्लैगशिप योजनाओं में से एक मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना 2022-23 अंतर्गत रामानुजनगर ब्लाक के ग्राम पंचायत पटना के सरना बगीचा में मुख्यमंत्री कन्या विवाह का आयोजन हुआ। सरगुजा आदिवासी क्षेत्र विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं प्रेम नगर विधायक श्री खेलसाय सिंह, जनप्रतिनिधिगण, जिला पंचायत सीईओ सुश्री लीना कोसम, जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग के आला अधिकारियों सहित गणमान्य नागरिकों ने 85 नवदम्पत्तियों को आशीर्वाद देकर सुखद खुशहाल वैवाहिक जीवन की बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

रामानुजनगर ब्लाक के 60, प्रेमनगर ब्लॉक के 25 इस प्रकार 84 हिन्दु जोड़े एवं 1 मुस्लिम जोड़े कुल 85 परिणय सूत्र में बंधे। सरगुजा आदिवासी क्षेत्र विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री खेलसाय सिंह सहित प्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत 50 हजार की बढ़ोतरी की गई है जो गरीब परिवार के लिए एक सौगात है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की संवेदनशील सोंच है कि बेटियों का विवाह बिना किसी पारिवारिक खर्च के आसानी से हो। इसी सोंच के चलते उन्होंने योजना के अंतर्गत दिए जाने वाले राशि पच्चीस हजार रूपए से बढ़ाकर 50 हजार रूपए देने का निर्णय लिया है। उन्होंने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का धन्यवाद ज्ञापन किया है।

इस योजना का मुख्य उद्देश्य निर्धन कन्याओं के विवाह सन्दर्भ में होने वाली आर्थिक कठिनाईयों का निवारण करने, विवाह के अवसर पर होने वाले फिजुल खर्चों को रोकने, सामूहिक विवाह के माध्यम से निर्धनों के मनोबल एवं आत्मसम्मान में वृद्धि करने, सामाजिक हालत में सुधार करने, दहेज एवं बाल विवाह जैसी कुरीतियों को रोकने। वधु अथवा वर के माता-पिता पर किसी भी प्रकार का आर्थिक बोझ ना पड़े।

इस योजना के तहत् कन्या मुख्यमंत्री खाद्यान्न योजना अन्तर्गत जारी राशन कार्ड धारित परिवार की हो, एक परिवार की अधिकतम 2 कन्याओं को योजना का लाभ दिया जा सकता है। कन्या की आयु 18 वर्ष एवं लड़के की आयु 21 वर्ष से अधिक हो। कन्या छ.ग. की निवासी हो। कन्या के प्रथम विवाह पर ही यह राशि देय होगी। सामूहिक विवाह में सम्मिलित होने पर ही सहायता राशि की पात्रता होती है। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य उर्दू बोर्ड के सदस्य इस्माइल खान, जिला पंचायत उपाध्यक्ष नरेश राजवाड़े, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती उषा सिंह, श्रीमती आनंद कुंवर, गणमान्य नागरिक एवं महिला एवं बाल विकास विभाग से अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जल संसाधन संभाग नारायणपुर को मनरेगा मद द्वारा स्वीकृत हुई फील्ड चौनल

श्रीकंचनपथ न्यूज

नारायणपुर। जिला नारायणपुर अन्तर्गत महात्मा गांधी नरेगा योजना अन्तर्गत ग्राम पंचायत सुलेंगा, बिंजली, बेनूर, पालकी, खड़कागाव एवं बाकुलवाही के कृषकों को उनके खेतो में अंतिम छोर तक जल्द से जल्द पानी पहुचाने, पानी का अवव्यय रोकने, खरीफएवं रबी के फसल लेने, पानी को त्वरीत सिंचाई हेतु लगभग 15500 मी. लंबाई के 12 कार्य का निर्माण जल संसाधन विभाग को निर्माण एजेंसी बनाते हुये स्वीकृत किया गया है।

इन कार्यों की कुल लागत 4 करोड 72 लाख 67 हजार है एवं कार्यो को माह अप्रैल 2023 तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। तालाबों से पहले नहरो के कुपाले से एवं खेतो के माध्यम पानी पलाया जाता था पर अब पक्की फिल्ड चौनल बनने से पानी खेतो के अंतिम छोर तक तेजी से पहुचेगा और पानी की लगभग 40 प्रतिशत बचत होगी। पिछले वित्तीय वर्ष में भी जिले के बिंजली जलाशय की नहरों में पांच फिल्ड चौनल के कार्य मनरेगा एवं अभिसरण मद के माध्यम से स्वीकृत हुये थे जिनका कार्य पूर्ण किया जा चुका है और इन कार्यों के पूर्ण होने से काफी वर्षों के पश्चात बिंजली जलाशय के पानी से रबी की 170 एकड़ में फसल बुवाई की गई है जिससे कृषको में हर्ष व्याप्त है।

जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता श्री अजय चौधरी ने बताया कि वर्तमान में पक्की फिल्ड चौनल के 07 कार्य प्रगतिरत है।

Y Fitness
• Gym Servicing
• Gym Equipment & Accessories Available
• Home Treadmill & Gym Service Available
start 17500/-
Bajaj Finance Available
Shop No. 10, 14, Block, Street No.-7 Dakshi n ga ngotri, Supela, Bhilai Chhattisgarh
Facebook id - Protein Planet Bhilai
9098981555

SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास-खबर

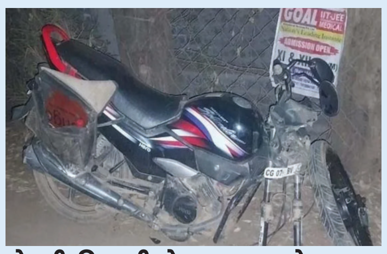

बोरसी-रिसाली रोड़ पर आमने-सामने से टकराए दो बाइक, एक बाइक सवार की मौत

भिलाई। बोरसी-रिसाली रोड़ पर बड़ा हादसा हो गया। आमने-सामने से दो बाइक आपस में टकरा गए जिससे एक बाइक सवार की मौत हो गई। वहीं दूसरे बाइक पर सवार पति-पत्नी गंभीर रूप से घायल हैं। हादसा रविवार रात 10 से 11 बजे के बीच की बताई जा रही है। हादसे का कारण सड़क पर लगे होर्डिंग को बताया जा रहा है जिसके कारण दोनों बाइक सवार एक दूसरे को देख नहीं पाए और आपस में टकरा गए। घटना के बाद पद्मनाभपुर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मिली जानकारी के अनुसार शंकुतला नगर निवासी योगेश ठाकुर (22) हुडको में आईटीआई कर रहा था। बीती रात वह हुडको से अपने घर धनोरा जा रहा था। रास्ते में मोड के पास द मार्क की बड़ी होर्डिंग लगी है। इसके कारण वह सामने से आ रही बाइक को नहीं देख पाया और टकरा गया। दोनों बाइक की रफ्तार ज्यादा थी जिसके कारण दोनों सड़क पर बुरी तरह से गिर गए। योगेश के सिर पर गंभीर चोट आई। वहीं दूसरी बाइक पर सवार महेश्वरी बघेल व लक्ष्मी गंभीर चोट आई। सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में डॉक्टर ने योगेश को मृत घोषित कर दिया। वहीं दोनों पति पत्नी की हालत गंभीर बताई जा रही है।

दंपती पर केस दर्जः टोनही कहकर महिला को दी जान से मारने की धमकी

बालोद (ए)। गुंडरदेही ब्लॉक के ग्राम कोड़ेवा में 42 वर्षीय महिला को टोनही कहकर गाली गलौज करने व जान से मारने की धमकी देकर प्रताड़ित करने का मामला सामने आया है। मानसिंह व सेवती के खिलाफ अर्जुन्दा थाने में छत्तीसगढ़ टोनही प्रताड़ना निवारण अधिनियम 2005 की धारा 4, 5 के तहत अपराध दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार महिला ने आवेदन देकर शिकायत की थी कि जेठ मानसिंह व जेठानी सेवती बाई टोनही कहकर प्रताड़ित करते हैं। मामले की जांच के बाद प्रार्थी महिला, गवाह तेजराम साहू, हरिराम साहू, जागेश्वर साहू, बाबूलाल साहू सहित अन्य लोगों का बयान लिया गया। जिसमें टोनही कहकर प्रताड़ित करना सही पाया गया। महिला ने बताया कि 31 दिसंबर को मानसिंह व सेवती बाई ने पड़ोसियों व रिश्तेदारों के बीच टोनही कहकर बेटी पर जादू-टोना करने का आरोप लगाया। गांव के प्रमुखों ने दोनों को समझाइश भी दी। इसके बाद भी दोनों प्रताड़ित करते आ रहे थे।

सिम्स में नौकरी लगवाने के नाम पर 12 लाख की ठगी, आरोपी महिलाओं को जमानत नहीं

बिलासपुर। सिम्स की डीन के नाम पर डेंटिस्ट की नौकरी लगवाने 12 लाख रुपए की ठगी की आरोपी महिलाओं को सेशन कोर्ट से जमानत नहीं मिली। सिटी कोतवाली पुलिस ने आईपीसी की धारा 420,419, 120-बी और 34 प्रकरण दर्ज करने के बाद आरोपी महिलाओं को गिरफ्तार किया था। गोंड़पारा हरदेव लाल मंदिर के पास रहने वाली स्वाति साहू पति संकेत साहू ने एमडीएस किया है। गुरु विहार कॉलोनी निवासी स्तुति जूलियस और अनिश जूलियस से उससे पहचान हुई। दोनों ने स्वाति को डेंटिस्ट की नौकरी लगवाने की बात कही। 2021 में स्वाति ने अपने पति के ऑफिस में उसे 5 लाख रुपए दिए। स्तुति ने सिम्स की तत्कालीन डीन का नाम लिया। 18 अगस्त 2021 को किसी ने खुद को डॉ. त्रिपाठी बताते हुए फोन पर ही इंटरव्यू लिया। 2021 में पूर्व डीन का ट्रांसफर हो गया। अलग-अलग किस्तों में स्वाति से 12 लाख रुपए की ठगी की गई। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया था, इसमें से स्तुति जूलियस और कनकलता यादव की जमानत अर्जी खारिज कर दी गई है।

जंगली जावनर का शिकार करने बिछाया था करंट, खेत से आ रहा ग्रामीण आया चपेट में, हालात गंभीर

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा में जंगली सुअर का शिकार करने को बिछाए गए करंट की चपेट में आने से ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की जानकारी होने पर परिजन आनन-फानन में मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे जहां उसकी हालत गम्भीर बनी हुई है। करतला वन परिक्षेत्र अंतर्गत बरपाली की यह घटना है। जहां बरपाली भांठापारा निवासी 53 वर्षीय महेश श्रीवास अपने खेत से लकड़ी लेने जंगल गया हुआ था। वापस लौटते समय करंट की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। महेश की माने तो वो और उसके परिजनों ने गांव से लगे कुरसिया जंगल मे खेत पर लकड़ी कटाई कर रखी थी। जिसे लाने वह गांव का ट्रैक्टर किराए पर लेकर गया हुआ था। देर शाम होने के बाद ट्रैक्टर पर लकड़ी लोड होने के कारण वो और उसके परिजन गांव से लगे पगडंडी वाले रास्ते से वापस लौट रहे थे तभी

अचानक 11 केवी से लगे विधुत तार की चपेट में आने से वो बुरी तरह झुलस गया। तार जंगली जानवर का शिकार करने बिछाया गया था। एक साल पहले एक ग्रामीण और दो दिन पहले ही दो मवेशियों की करंट लगने से उसी जगह पर मौत हुई थी। घटना की जानकारी वन विभाग को भी है लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई है। जिसके चलते जंगली जानवर मर ही रहे हैं वहीं, ग्रामीण भी शिकार हो रहे हैं। कुछ दिनों पहले ही बालको वन परीक्षेत्र में जंगली सूअर का शिकार करने बम लगाया गया था। बम की चपेट में आने से बच्चे की दर्दनाक मौत हो गयी थी। इस मामले में वन विभाग और बालको पुलिस और वन विभाग जांच में जुटी हुई है लेकिन अब तक आरोपी पकड़ से बाहर है। वहीं, पसान इलाके में पति पत्नी जंगल के हुए थे जहां जंगली जानवर के शिकार करने को बम लगाया गया था बम की चपेट में आने से पति पत्नी घायल हो गए थे। इस मामले में भी अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

17 लाख के लोन के लिए बीएसपी के लाइजनिंग कर्मचारी ने गवाएं 25 लाख रुपए

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भिलाई स्टील प्लांट में लाइजनिंग का काम करने वाला एक कर्मचारी 17 लाख रुपए के लोन के चक्कर में 25 लाख रुपए गवां बैठा। शख्स का नाम महमूद है जो कि टिकरापारा रायपुर का है। महमूद के पास अज्ञात कॉलर का फोन आया और उसने आसान प्रोसेस में लोन देने झांसा दिया। कॉलर ने लोन देने के नाम पर 25 लाख से ज्यादा की ठगी की। मामले में तेलीबांधा पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ धारा 420 के तहत अपराध दर्ज कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार टिकरापारा निवासी महमूद अंसारी भिलाई स्टील प्लांट में लाइजनिंग का काम करता है। उसने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि 16 फरवरी 2022 को एक फोन आया। फोन करने वाले ने खुद को सुजाता जैन सिटी फाइनेंस मुंबई का कस्टमर मैनेजर बताते हुए आसान प्रोसेस पर लोन देने का झांसा दिया। महमूद इनके झांसे में आ गया और 17 लाख रुपए के लोन की जरूरत बताई।

इसके बाद कॉलर ने ठगी का खेल शुरू कर दिया। कॉलर के झांसे में आकर महमूद अंसारी ने आधार कार्ड, पैन कार्ड, चेक बुक और एक फोटो वाट्सएप के जरिए भेज दिया। इसके बाद कालर ने सबसे पहले 4 हजार रुपए प्रोसेसिंग फीस के लिए मांगे। इसके बाद अलग अलग किस्तों में महमूद से रुपए जमा कराता गया। 17 लाख रुपए के लोन के लिए महमूद ने अलग अलग किस्तों में 25 लाख 86 हजार 681 रुपए जमा कॉलर के खाते में जमा करा दिए। महमूद को लोन तो मिला नहीं उल्टे 25 लाख रुपए भी गवां बैठा। महमूद अंसारी की शिकायत पर तेलीबांधा पुलिस ने कॉलर के खिलाफ अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

शादी में मस्त था परिवार, आधी रात घुसे चोरों ने पार कर दिए लाखों के जेवर, कैमरे में कैद हुए बदमाश

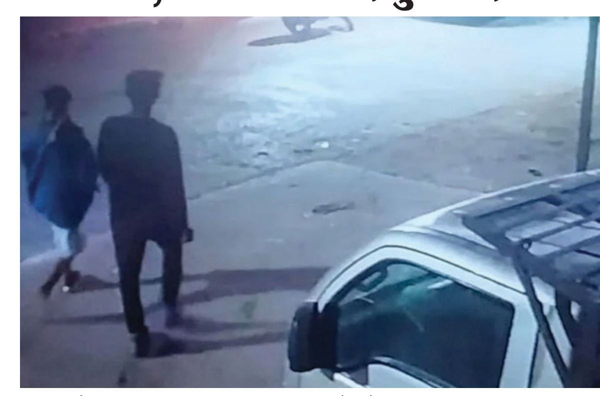

भिलाई। पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र में शादी वाले घर में लाखों की चोरी का मामला सामने आया है। 11 मार्च को परिवार वाले शादी कार्यक्रम में व्यस्त थे। घर के सभी लोग दो मंजिला मकान की टॉप पर थे और इस बीच नीचे के सारे दरवाजे खुले थे। इस बीच दो बदमाश घर में घुसे और अलमारी के लॉकर में रखे सोने के जेवर लेकर चंपत हो गए। परिवार वाले जब नीचे कमरे में पहुंचे और अलमरी खुली देखी तो पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शुरुआती जांच के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ अपराध दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। खासबात यह है कि दोनों चोरों की तस्वीर सीसी टीवी कैमरे में कैद हो गए हैं।

पुरानी भिलाई पुलिस के मुताबिक बजरंग पारा राम मंदिर के पीछे भिलाई तीन निवासी विजय निषाद ने इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में विजय निषाद ने बताया कि उनके घर में 11 मार्च को शादी कार्यक्रम में उनकी बहन नीतू निषाद, मोना निषाद, ज्योति निषाद एवं अन्य मेहमान आए हुए थे। सभी का सामान नीचे के कमरे में था। शादी का कार्यक्रम घर के दूसरे मंजिल की टॉप पर में चल रहा था। रात्रि करीब 10.30 बजे घर के सभी लोग उपर ही थे। रात करीबन 11.30 बजे विजय की बहन नीतू निषाद नीचे आई तो देखी कि जहां हैंडबैग टंगा था वहां पर नहीं था।

नीतू निषाद के लेडिस हैंडबैग में सोने का 2 नग नेकलेस, एक जोडी सोने का आईरिंग, एक जोडी सोने का झुमका, एक जोडी चांदी का पायल, एक नग रियलमी C 30 कंपनी का एनराईड मोबाइल जिसमें आईडिया का सिम नंबर 9516850227 व नगदी रकम 3000 रुपए रखे थे। इसके अलावा बगल वाले कमरे में गोदरोज आलमारी में रखे मेरी बहन मोना का मंगलसूत्र काला मोती वाला जिसमें सोने का लाकेट लगा हुआ, एक सोने का फुल्ली, 2 जोडी चांदी का बिछिया व नगदी रकम 5000 रुपए व ज्योति निषाद का सोने का 1 नग नेकलेस आदि चोरी हो गया।

सीसी टीवी फुटेज में दिखा आरोपियों का चेहराचोरी की इस घटना की जांच के दौरान पुलिस ने सीसी टीवी फुटेज बरामद किया है। सीसी टीवी फुटेज में साफ देखा जा सकता है कि चोर रेकी कर रहे थे और मौका देखकर 11:05 बजे पहुंचे और घर में घुसे। इसके बाद चोरी की घटना को अंजाम देकर आराम से निकले। घर के लोगों ने शादी में व्यस्त होने के साथ ही काफी लापरवाही भी दिखाई। नीचे का गेट से लेकर सभी कमरों के दरवाजे खुले थे। यहां तक की अलमारी और उसके लॉकर में भी ताला नहीं लगा था। जिसका चोरों ने बखूबी फायदा उठाया।

2 दिन से लापता था नाबालिग, तालाब में तैरता मिला शव, घर से खेलने निकला, फिर लौटा ही नहीं

जांजगीर-चांपा (ए)। जांजगीर-चांपा जिले में 2 दिन से लापता लड़के की लाश मिली है। वो घर से खेलने के लिए निकला था। मगर लौटा ही नहीं है। अब तालाब में तैरती हुई उसकी लाश मिली है। मामला नवागढ़ थाना क्षेत्र का है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नवागढ़ नगर पंचायत के वार्ड नंबर-01 का रहने वाला उपकार धीवर(15) मानसिक रूप से कमजोर था। इसलिए वह घर पर ही रहता था। उपकार धीवर के पिता रामू धीवर ने बताया की 12 मार्च की सुबह करीब 8 बजे घर के पास में ही खेल रहा था। जिसके बाद अचानक से वह लापता हो गया।

उन्होंने बताया कि आस-पास

काफी तलाश करने पर भी उसका कुछ पता नहीं चला। इसके बाद हमने पुलिस को इस बात की सूचना दी थी। रामू धीवर ने ये भी बताया कि रिपोर्ट दर्ज कराने के बाद भी हम लोग उसकी तलाश कर रहे थे। इस बीच मंगलवार सुबह किसी ने सूचना दी कि उपकार का शव लिगवापरा के लिंगेश्वर महादेव तालाब में तैर रहा है।

इसकी जानकारी लगने परिजन मौके पर पहुंचे थे। पुलिस की मौके पर पहुंची थी। शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रामू घर का खर्चा चलाने के लिए खेती किसानी करते हैं। उनका कहना है कि हमें नहीं पता उपकार वहां तक कैसे पहुंच गया। उपकार की मां का रो-रोकर बुरा हाल है।

फिर एक दंबग की निकली हवा, रायफल से हवा में फायर कर सोशल मीडिया में डाली पोस्ट, पुलिस ने कराई परेड

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शहर में हर्ष फायरिंग कर दबंगई दिखाने वालों पर दुर्ग पुलिस काफी मेहरबान है। सोशल मीडिया में हर्ष फायरिंग के बाद फोटो वायरल करने वालों की कमी नहीं है। ऐसे मामलों दुर्ग पुलिस ऐसे दंबगों की हवा निकालने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है। ताजा मामले में सोशल मीडिया में एक वीडियो पोस्ट किया गया जिसमें एक युवक हवा में रायफल से फायरिंग कर रहा है और उसका साथी उसका हौसला बढ़ा रहा है। यही नहीं वीडियो में गैंगस्टर भिलाई का टैगलाइन भी है।

सोशल मीडिया में वायरल पोस्ट दुर्ग पुलिस के पास भी पहुंचा। फिर क्या था पुलिस ने गैंगस्टर की तलाश शुरू की। जल्द ही फायरिंग करने वाला पुलिस के हत्थे चढ़ गया। पुलिस ने युवक पर कार्रवाइ भी और हवालात की हवा भी खिलाई। खुद को गैंगस्टर बताने वाला पुलिस के लपेटे में आने के बाद ऐसा पलटा कि शहर के लोगों से ही अपील करने लगा। उसने शहर वासियों से अपील करते हुए कहा कि कभी भी हथियार के साथ सोशल मीडिया में फोटो अपलोड न करें और हवा में फायरिंग भी न करे। यह गलत है।

।। कार्यालय नगर पालिक निगम, दुर्ग ।।

EmailId:- durgmc2019@gmail.com Phone:- 0788-2322148

-:: ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना ::-

क्रमांक 410/ ज0वि0/2023 दिनांक 13/3/2023

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों/व्यक्ति/फर्म हेतु नीचे उल्लेखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आंमत्रित की जाती है-

क.	कार्य का नाम	लागत (लाख में)	निविदा जारी दिनांक
1.	Shifting of Pipe Line From Mini Mata Chowk to Gokul Nagar Gate, Durg (C.G.) System No. 127234, Dated:10.3.2023	रू. 76.83	10.03.2023 से 31.03.2023 खोलने की तिथि 05.04.2023

निविदा की सामान्य शर्ते धरोहर राशि निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है अथवा ई-प्रोक्यूरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in एवं विभागीय वेबसाइट www.uad.cg.gov.in से भी डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः- 9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

गर्मी के मौसम को देखते हुए छोड़ा जाएगा तांदुला जलाशय का पानी, किसानों को मिलेगी राहत

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। गर्मी बढ़ने से तेजी के साथ शहर का जलस्तर गिरता जा रहा है। नलकूपों, कुंओं में पानी का स्तर नीचे उतर गया है, इससे अब लोगों की परेशानियां बढ़ती जा रही हैं। कलेक्टर जनदर्शन में ग्राम पंचायत औरी भाठागांव के समस्त ग्रामवासियों ने तांदुला जलाशय से पानी छोड़ने के लिए कलेक्टर को आवेदन सौंपा।

जिसमें उन्होंने बताया कि गर्मी के कारण गांव में जलस्तर काफी गिर गया है, जिसके चलते निस्तारी, पेयजल एवं किसानों के फसल में सिंचाई करने की समस्या बढ़ गई है। वर्तमान में ग्राम औरी भाठागांव में लगभग 200 एकड़ में मक्के की फसल लगी है। सिंचाई की सुविधा नही होने के कारण फसल खराब होते जा रही है, इससे किसानों को आर्थिक क्षति का सामना करना पड़ रहा है। कलेक्टर श्री पुष्पेन्द्र कुमार मीणा ने जलकार्य की शिकायतों का जल्द से जल्द निराकरण करने जल संसाधन विभाग को निर्देश दिए।

मोर मकान मोर आस योजना के तहत किरायेदार के रूप में निवासरत परिवारों को नियमानुसार आवास उपलब्ध कराया गया है। इसी परिपेक्ष्य में शंकर लाल सोनी माता श्रीमती सुंदर बाई सोनी उम्र 75 वर्ष ने मोर मकान मोर आस योजना के तहत गोकुल नगर पुलगांव में आवास आबंटन के किए आवेदन किया था। उन्होंने अपने आवेदन में भू-तल पर आवास आबंटित करने की मांग की है। श्रीमती सुंदर बाई वृद्ध हैं, जिससे उन्हें सीढ़ी चढ़ने-उतरने में काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ सकता है अतः उनकी शारीरिक स्थिति को देखते हुए भू-तल में आवास आबंटन के लिए निवेदन किया। इस संबंध में कलेक्टर ने नगर निगम दुर्ग को आदेशित किया।

वार्ड क्रमांक 18 जवाहर नगर निवासी प्रदीप कुमार अग्रवाल ने बताया कि तृतीय वर्ग कर्मचारियों को जवाहर नगर दुर्ग में आवासीय भूखण्ड उपलब्ध कराया गया है, जिसमें सभी सदस्य स्वयं का मकान बनाकर निवास कर रहे हैं। शासकीय कर्मचारी गृह निर्माण सहकारी समिति द्वारा व्यवसायिक परिसर भी निर्माण कराया गया है, जहां दुकानें संचालित है। इसी आवासीय परिसर में एक व्यक्ति ने अपने मकान के भू-तल को बैंक को किराए पर दे रखा है। साथ ही कुछ सदस्यों ने अपने घर को ही दुकान के लिए किराये पर दे दिया है। इसकी वजह से कालोनी में गाड़ियों और बाहरी लोगों का आना-जाना लगा रहता है।

जिला चिकित्सालय के अंतर्गत जीवन दीप समिति के सदस्यों ने जनदर्शन में कलेक्टर से मुलाकात की। उन्होंने जिला चिकित्सालय में नागरिकों की सुविधा हेतु विभिन्न मांग कलेक्टर के समक्ष रखी। कार्यकारिणी सदस्य दिलीप ठाकुर और प्रशांत डोंगवकर ने जीवन दीप समिति की जल्द मीटिंग संपादित करने की मांग भी की। कलेक्टर ने समिति के सभी मांगों को गंभीरता से सुनते हुए जल्द ही समिति की बैठक कराने और समिति के सुझावों पर आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया।

खास - खबर

दूरसंचार विभाग में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला कार्मिकों का हुआ सम्मान

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के दूरसंचार विभाग में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 11 मार्च 2023 को एक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें दूरसंचार विभाग के विभिन्न सेक्शन में कार्यरत महिलायें, दूरसंचार कार्यालय से श्रीमती आशा चौरसिया, लैब से श्रीमती सुनंदा कश्यप, स्टोर्स से सुश्री सुरेखा बोरकर, लैब और प्लानिंग अनुभाग के वरिष्ट प्रबंधक श्रीमती लाली वेणुगोपाल को विभाग प्रमुख द्वारा महिला दिवस कि बधाई दी गयी और टोकन गिफ्ट प्रदान कर सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में विभाग प्रमुख द्वारा सभी क्षेत्रों में अमिट छाप छोड़ने के लिए महिलाओं को सराहा और कहा कि विभाग में कार्यरत महिलायें विभाग द्वारा दी गयी जिम्मेदारियों को बेहतर ढंग से निभा रही हैं। उन्होंने आने वाले समय में सभी से अपने तकनीकी ज्ञान और अपने कार्यक्षेत्र के दायरे को बढ़ाने की भी अपील की।

वायर राड मिल एवं लाइम और केलसाईन्ड डोलो के उत्पादन में बने नये रिकॉर्ड

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के वायर राड मिल ने 9 मार्च, 2023 को 1710 नग बिल्लेट रोल कर 1633 टन 10 एम् एम् टी एम् टी वायर राड का उत्पादन कर 10 सितम्बर 2021 को 1611 नग बिल्लेट रोल कर 1530 टन उत्पादन का पिछला दैनिक रिकॉर्ड को ध्वस्त किया। वहीँ 10 मार्च, 2023 को सयंत्र के एल डी सी पी विभाग ने 2420 टन लाइम और केलसाईन्ड डोलो का उत्पादन कर 5 फरवरी 2023 के 2396 टन का दैनिक रिकॉर्ड को तोडा। सयंत्र के शीर्ष अधिकारी ने दोनों विभागों के टीमों को बधाई दी।

जिला पंचायत में समान्य सभा बैठक 16 को

दुर्ग। जिला पंचायत दुर्ग की सामान्य सभा बैठक 16 मार्च 2023 को दोपहर 12:30 बजे जिला पंचायत के सभा कक्ष में आयोजित की गई है। बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, शिक्षा विभाग, आदिवासी विकास विभाग, मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, खनिज विभाग की समीक्षा के साथ अन्य विषयों पर चर्चा की जाएगी।

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग की वार्षिक परीक्षा आरंभ

दुर्ग। हेमचंद यादव विष्वविद्यालय, दुर्ग की वार्षिक परीक्षा 2023 से स्नातक स्तर के तृतीय वर्ष की परीक्षा के साथ आरंभ हुई। आज आयोजित परीक्षा में पंजीकृत 44 हजार परीक्षार्थियों में से तीनों पालियों को मिलाकर 2722 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहें। यह जानकारी देते हुए विष्वविद्यालय के कुलसचिव, श्री भूपेन्द्र कुलदीप तथा अधिष्ठाता छात्र कल्याण, डॉ. प्रषांत श्रीवास्तव ने संयुक्त रूप से बताया कि तीन पालियों में होने वाली ये परीक्षा 13 मई तक जारी रहेंगी। आज परीक्षा के प्रथम दिन विष्वविद्यालय के परीक्षा उपकुलसचिव, श्री आर. के. चैहान एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण, डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने विष्वविद्यालय से सम्बद्ध अनेक परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सभी परीक्षा केन्द्रों में परीक्षा सुचारू रूप से संचालित मिली। यह निरीक्षण सम्पूर्ण परीक्षा के दौरान जारी रहेगा। आज निरीक्षण किये गये सभी महाविद्यालयों में प्राचार्यगण उपस्थित थें। इन महाविद्यालयों में शासकीय वी.वाय.टी. पीजी कॉलेज, दुर्ग, शासकीय वा. वा. पाटणकरण कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग, भिलाई महिला महाविद्यालय, सेक्टर 09 भिलाई, सेठ आर. सी. एस. कॉलेज, दुर्ग, कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भिलाई, शामिल थें। डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि परीक्षाओं के संचालन एवं उत्तरपुस्तिका संग्रहण से संबंधित विष्वविद्यालय के अधिकारियों की एक आवष्यक बैठक आज विष्वविद्यालय में कुलपति, डॉ. अरूणा पल्टा ने ली। समय-समय पर आवष्यकतानुसार तीनों पालियों में परीक्षा केन्द्रों का भौतिक निरीक्षण करें।

मुख्यमंत्री की घोषणाओं पर भिलाई निगम ने किया अमल करना प्रारंभ

शहर में होंगे अनेकों काम, महिलाओं के लिए भिलाई में स्थापित होगा आजीविका केंद्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भिलाई निगम को 60 करोड़ की राशि विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यों के लिए देने की घोषणा की है। इसी तारतम्य में भिलाई निगम ने इस पर शीघ्रता से अमल करना प्रारंभ कर दिया है। घोषणा के तहत महिलाओं को रोजगार की दिशा में जोड़ने के लिए भिलाई शहर में आजीविका केंद्र प्रारंभ किए जाएंगे। इसके लिए आज महापौर नीरज पाल व निगम आयुक्त रोहित व्यास ने अधिकारियों के साथ स्थल का जायजा लिया तथा स्पॉट पर ही पूरी प्लानिंग को लेकर चर्चा भी की।

आजीविका केंद्र में 500 महिलाओं को रोजगार मिल पाएगा। शीघ्र ही निगम इस पर कार्य करेगा।

मुख्यमंत्री जी की घोषणा के तहत युवाओं के रोजगार पर भी काम होंगे, इसके लिए भिलाई निगम में अत्याधुनिक सॉफ्टवेयर व हार्डवेयर सुविधा सहित बीपीओ बनाए जाएंगे। रीपा की तर्ज पर अर्बन कॉटेज एंड सर्विस इंडस्ट्रीज पार्क बनाए जायेंगे। मार्केट क्षेत्रों में सीसी टीवी कैमरे लगाए जाएंगे, आधुनिक शौचालय के निर्माण के साथ ही इसमें प्रकाश की व्यवस्था के इंतजाम भी होंगे। बीपी, शुगर, रक्त परीक्षण आदि के लिए भिलाई में 50 किओस्क की स्थापना होगी।

भिलाई में विश्व स्तरीय सेंट्रल लाइब्रेरी सह रीडिंग जोन बनेगा इसके साथ ही सिविल अस्पताल सुपेला में आधुनिकीकरण के कार्य होंगे। कचरा कलेक्शन की व्यवस्था बेहतर करने तथा पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से ई रिक्शा/ई कार्ट की व्यवस्था की जाएगी। आज निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी, अधीक्षण अभियंता दीपक जोशी, कार्यपालन अभियंता संजय बागड़े, उप अभियंता अर्पित बंजारे तथा प्रकृति जगताप आदि मौजूद रहे।

बीएसपी की टीमों ने जीता प्रोडक्टिविटी एक्सीलेंस अवार्ड

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की दो टीमों ने भुनेश्वर में उड़ीसा स्टेट प्रोडक्टिविटी काउंसिल द्वारा आयोजित प्रोडक्टिविटी ,ग्रीन ग्रोथ एवं सस्टेनेबिलिटीविषय पर आयोजित प्रतियोगिता में अपने प्रदर्शन से धूम मचाई है। इस प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह भुवनेश्वर के प्रतिष्ठित पांच सितारा होटल मैरीऑन जनपथ में आयोजित किया गया। इसमें देश भर की प्रतिष्ठित कंपनियों की टीमों ने शिरकत की।

इस प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बीएसपी की दोनों टीमों को प्रोडक्टिविटी एक्सीलेंस अवार्ड 2022 से नवाजा गया। इस प्रतियोगिता के तहत बीएसपी के कोक ओवन की टीम को 5 स्टार प्रोडक्टिविटी एक्सीलेंस अवार्ड तथा ब्लास्ट फर्नेस की टीम को 4 स्टार प्रोडक्टिविटी एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया। विदित हो कि बिजनेस एक्सीलेंस विभाग के महाप्रबंधक श्री मनोज दुबे के मार्गदर्शन, में कोक ओवन एवं ब्लास्ट फर्नेस की टीमों ने ऑनलाइन आयोजित इस प्रतियोगिता में अपने तकनीकी पेपर प्रस्तुत किए।

कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग के मुख्य महाप्रबंधक श्री तरुण कनरार के नेतृत्व में कोक ओवन की टीम मे शामिल वरिष्ठ प्रबंधक शशिकांत देव और विभाग के उप प्रबंधक चेतन अशोक फुटाने और ब्लास्ट फर्नेस विभाग के मुख्य महाप्रबंधक एस टोकदार के नेतृत्व में ब्लास्ट फर्नेस टीम में शामिल दोनों उप महाप्रबंधक नवीन कुमार तिवारी और मनीष कुमार तिवारी ने अपने अपने तकनीकी प्रस्तुतियों से निर्णयाकों को प्रभावित किया।

दोनों टीमों ने अपने-अपने विभाग में उत्पादकता बढ़ाने हेतु क्रियान्वित प्रोजेक्ट्स का प्रस्तुतीकरण दिया। इन दोनों टीमों के प्रस्तुतीकरण को भुवनेश्वर में आयोजित एक भव्य समारोह में प्रोडक्टिविटी एक्सीलेंस अवार्ड 2022 से सम्मानित किया गया। बीएसपी टीमों की इस उपलब्धि हेतु विभाग प्रबंधन ने बधाई दी है।

हिर्री खदान में लोक कला महोत्सव का रंगारंग आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के हिर्री खदान के दशहरा मैदान में 11 मार्च, 2023 को सामाजिक निगमित उत्तरदायित्व गतिविधियों के तहत छत्तीसगढ़ लोककला महोत्सव का रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रात्रि 8.30 बजे संयंत्र के कार्यपालक निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) मिलिंद मुकुंद गद्रे तथा मुख्य महाप्रबंधक (खदान एवं रावघाट) समीर स्वरूप की गरिमामयी उपस्थिति में मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर आरंभ हुआ।

छत्तीसगढ़ लोककला महोत्सव का भारी भीड़ के बीच यह कार्यक्रम देर रात 1.30 तक चलता रहा। कार्यक्रम का संचालन प्रख्यात लोक गायिका श्रीमती रजनी रजक ने किया।

कार्यक्रम में विभिन्न विधा के कलाकारों द्वारा अपनी अपनी प्रस्तुति दी गयी जिसका हजारों की संख्या में एकत्रित आसपास के ग्रामीणों ने करतल ध्वनि से स्वागत किया। कार्यक्रम में लोगों का उत्साह इतना अधिक था कि कार्यक्रम स्थल पर इंच भर पैर रखने की जगह नहीं थी। कार्यक्रम में महाप्रबंधक (खदान हिर्री) अनुपम बिष्ट, महाप्रबंधक (सीएसआर) शिवराजन, हिर्री खदान के प्रभारी सोमनाथ सिंह, उप महाप्रबंधक (सीएसआर) छत्रधारी, आसपास के गणमान्य नागरिक जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में दर्शकगण उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के अवसर पर अतिथियों का पुष्प गुच्छ से स्वागत कर शाल एवं श्रीफल भेंट किया गया। कलाकारों का भी सम्मान करते हुए उन्हें पारितोषिक वितरण किया गया। कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए उप महाप्रबंधक (सीएसआर) छत्रधारी ने हिर्री खदान के समस्त अधीनस्थों एवं कार्यपालकों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

दोना-पत्तल के व्यवसाय से महिलाओं को मिला रोजगार, आय का भी बना जरिया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई के शहरी गौठान में महिला स्व सहायता समूह दोना और पत्तल का निर्माण कर रही है। बकायदा इसके लिए महिलाओं ने लोन के माध्यम से मशीन खरीदा है। आसान किस्तों में इसकी राशि भी अदा की जा रही है, कुछ ही महीने में मशीन की पूरी किस्त महिलाओं के द्वारा चुका दी जाएगी और मशीन महिलाओं का हो जाएगा।

दोना और पत्तल बनाने के लिए गौठान में एक कक्ष केवल इसी के लिए महिलाओं को दिया गया है जहां दोना और पत्तल का निर्माण का कार्य किया जा रहा है। प्रतिदिन कम से कम 2000 दोना और पत्तल बनाने के लक्ष्य को लेकर महिलाएं काम कर रही है। इस व्यवसाय को अपनाकर प्रगति महिला स्व सहायता समूह की महिलाओं को आमदनी भी अच्छी प्राप्त हो रही है। अब तक इसके व्यवसाय से 35000 रुपए की आमदनी महिलाओं को प्राप्त हुई है। प्रतिमाह की बात करें तो 5000 से 7000 के मध्य आय महिलाओं की हो जाती है। इस व्यवसाय से महिलाओं को रोजगार भी मिला है, वर्तमान में 6 महिलाएं इस कार्य में जुटी हुई है। दोना और पत्तल की सप्लाई ज्यादातर वैवाहिक आयोजनों में तथा धार्मिक स्तर पर होने वाले भंडारा आदि में हो रहा है। कोसा नगर के शहरी गौठान में आकर लोग सीधे इस क्रय कर रहे है। गौरतलब है कि महापौर नीरज पाल एवं आयुक्त रोहित व्यास के निर्देश पर गौठान में विभिन्न प्रकार की आजीविका मूलक गतिविधियां अपनाई जा रही है। जिसके चलते महिलाओं को रोजगार के साथ ही आय की प्राप्ति भी हो रही है। महिला स्व सहायता समूह की अध्यक्ष मधु साहू तथा पूनम साहू ने बताया कि मार्केट से कम दर पर दोना और पत्तल उपलब्ध हो रहा है, इसलिए इसकी डिमांड ज्यादा है। दोना और पत्तल बनाने के लिए कच्चे मटेरियल की खरीदी महिलाओं के द्वारा रायपुर से की जाती है। अलग-अलग पैकेट में जरूरत मुताबिक दोना और पत्तल तैयार किए जा रहे हैं, अपने आवश्यकता के अनुरूप खरीदी कर सकें।

जिले में ग्रामीण क्षेत्रों में जल्द ही आरंभ हो जाएंगे 12 रीपा, युवा उद्यमियों को मिलेगा अवसर

हेल्दी स्नैक्स से लेकर जेमजेली तक बनेंगे रीपा में, एलईडी लाइट से लेकर आरओ वाटर तक का होगा उत्पादन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले में 12 रीपा शीघ्र ही आरंभ हो जाएंगे। इनमें हेल्दी स्नैक्स से लेकर जेम जेली जैसे फूड और गारमेंट से लेकर एलईडी लाइट तक बहुत से आइटम तैयार होंगे। कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने आज विभिन्न ब्लाकों में होने वाली गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की। इन 12 रीपा के अलावा नगरीय निकायों में भी आजीविका केंद्र आरंभ होंगे और इसके लिए विस्तार से योजना बनाने के निर्देश कलेक्टर ने दिये। बैठक में जिला पंचायत सीईओ अश्विनी देवांगन, भिलाई नगर निगम आयुक्त रोहित व्यास सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशानुरूप रीपा के माध्यम से अधिकाधिक रोजगार सृजन करना है। इसके लिए इच्छुक युवाओं की काउंसिलिंग कर उन्हें प्रेरित करें ताकि वे रीपा में उद्यम आरंभ कर सकें। उल्लेखनीय है कि रीपा में प्रशासन द्वारा शेड एवं अन्य अधोसंरचनात्मक सुविधाएं उद्यमियों को प्रदान की जाएंगी और इसके लिए बैंक लिंकेज आदि की व्यवस्था भी की जाएगी।

फोकस होगा क्वालिटी पर

कलेक्टर ने सभी रीपा में बनने वाले मुख्य उत्पादों पर चर्चा की। उदाहरण के लिए दुर्ग में ढाबा में रीपा में आरंभ होने वाली गारमेंट फैक्ट्री पर उन्होंने कहा कि इसमें फिनिश्ड प्रोडक्ट ऐसा होना चाहिए कि जो गारमेंट में आधुनिक मानकों को पूरा करता हो, इसके लिए गारमेंट इंडस्ट्री में चल रही प्रैक्टिस के मुताबिक कार्य करें ताकि इनके उत्पादों की अच्छीखासी मांग बाजार में पैदा हो। चंदखुरी में मिल्क प्रोसेसिंग यूनिट रीपा में आरंभ होगी। इसके बारे में उन्होंने कहा कि दुग्ध कारोबार में असीमित संभावना है। इसमें क्वालिटी का ध्यान रखा जाए तो इससे जुड़े उद्यमी अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं इससे पशुधन से जुड़ी गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। धमधा के हसदा में टमाटर प्रसंस्करण तथा जेम जेली जूस पैकेजिंग यूनिट आरंभ होगा। इसके लिए भी आवश्यक निर्देश उन्होंने दिये। दुर्ग ब्लाक के कातरो में स्टेशनरी और फ्लैक्स का यूनिट लगेगा। कलेक्टर ने कहा कि इन सभी क्षेत्रों में उत्पादों में काफी नवाचार हुआ है इसका ध्यान में रखते हुए उत्पादन करें। उल्लेखनीय है कि सभी उत्पादों का चयन बाजार की संभावनाओं के मुताबिक किया गया है जिससे अच्छी खासी आय होने की संभावना रहेगी।

युवा उद्यमियों की होगी काउंसिलिंग

कलेक्टर ने कहा कि अनेक युवा नौकरी करने के बजाय स्वरोजगार करना चाहते हैं और उद्यम के क्षेत्र में बढ़ना चाहते हैं। इनकी काउंसिलिंग की सुविधा नहीं होने के कारण ये दिशा नहीं तय कर पाते, इसके अतिरिक्त रीपा जैसा क्षेत्र नहीं होने की वजह से आरंभिक कदम उठाने में उन्हें हिचक होती थी।

मानव सेवा एवं गौ सेव का कार्य कर रही जन समर्पण सेवा संस्था का सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। चतुर्भुज मेमोरियल फाउडेशन, छत्तीसगढ़ के 12वे स्थापना दिवस के अवसर पर भिलाई हाउस सिविक सेंटर, भिलाई में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें दुर्ग जिले में मानव सेवा, गौ सेवा एवं अन्य सेवा में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 6 संस्थानों का सम्मान किया गया, इन संस्थाओं में जिले में मानव सेवा एवं गौ सेवा पर उत्कृष्ट कार्य करने हेतु जन समर्पण सेवा संस्था, दुर्ग का सम्मान किया गया।

दिनांक 13 मार्च सोमवार को चतुर्भुज मेमोरियल फाउडेशन, छत्तीसगढ़ द्वारा, दुर्ग द्वारा विगत 6 वर्षों से बिना रुके बिना किसी दिन नागा किये प्रतिदिन जरूरतमंदों को नि:शुल्क भोजन एवं गौ माता की सेवा करने वाली जन समर्पण सेवा संस्था, दुर्ग को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध समाज सेविका, पदमश्री फुलबासन जी, के मुख्यातिथि एवं ज्ञानेश शर्मा अध्यक्ष छत्तीसगढ़ योग आयोग, रवि श्रीवास्तव प्रसिद्ध साहित्यकार, डॉ.हंसा शुक्ला, प्रचार्य एवं आयोजक समिति के अध्यक्ष अरुण श्रीवास्तव जसवीर कौर सचिव, की उपस्थिति में जन समर्पण सेवा संस्था के अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा बंटी एवं सँस्था के सदस्य आशीष मेश्राम, सूजल शर्मा को साल पहनाकर, मोमेंटों चिन्ह भेंटकर सम्मान किया गया। इस आयोजन में जिले की नवदृष्टि फाउडेशन, रिद्धि सिद्धि महिला मंडल, स्वयं सिद्ध सँस्था, उड़ान नई दिशा एवं अनिभूति श्री फाउडेशन का सम्मान किया गया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950